विवरणिका

223

2022-23

रानी भाग्यवती देवी महिला महाविद्यालय, बिजनौर

बैराज रोड, बिजनौर (उ०प्र०), Tel: 01342-262116, Web: www.rbdgirls.in

सम्बद्धता: एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

प्रबन्धन: वीरा चैरिटेबिल सोसायटी, धर्मनगरी, बिजनौर

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा पुर्नमूल्यांकन बी ग्रेड प्राप्त संस्थान

यू.जी.सी. एक्ट 1956 के अन्तर्गत 2 एफ एवं 2 बी की सूची में सम्मिलित

PROSPECTUS

संस्थापक व पथ प्रदर्शक

स्व0 पद्मविभूषण धर्मवीर जी

स्व. रानी भाग्यवती देवी जी

स्व0 कुँवर सत्यवीर जी

महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष
श्री अमिताभ वीरा
प्रतिष्ठित एडवाईजर

सचिव
कुँवरानी रुचि वीरा
पूर्व विधायक, बिजनौर

कोषाध्यक्ष
डा० राहुल कुमार
अस्थि रोग विशेषज्ञ

विशेष आमंत्रित सदस्य
कुँवर उद्दयन वीरा
सचिव, वीरा चै.सो.
पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, बिजनौर

विशेष आमंत्रित सदस्य
श्री प्रशांत गोयल
वरिष्ठ अधिवक्ता

विशेष आमंत्रित सदस्य
श्री प्रवीन गुप्ता
सेवानिवृत्त डिस्टलरी मैनेजर

सदस्य
श्री मयंक महाजन
उद्यमी एवं समाज सेवक

सदस्य
सुरेन्द्र सिंह विश्नोई
प्रतिष्ठित अधिवक्ता

सदस्य
श्री खुशनूद खाँ
समाज सेवी

संस्था का परिचय

रानी भाग्यवती देवी महिला महाविद्यालय हिमालय की उपत्यका में बसे बिजनौर जिले में अवस्थित है। बिजनौर की पावन धरती को महाराजा दुष्यंत, परम प्रतापी सम्राट भरत, परमसंत ऋषि कण्व एवं महात्मा विदूर जी की कर्म स्थली होने का गौरव प्राप्त है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि स्व. धर्मवीर जी, स्व. कुँवर कान्तिवीर जी एवं स्व. कुँवर सत्यवीर जी ने अपनी पूजनीय माता के स्वप्नों को साकार करने के लिए सन् 1971 में बिजनौर नगर के पहले महिला महाविद्यालय की स्थापना की। स्त्रियों की उच्च शिक्षा के लिए समर्पित यह संस्थान मेरठ पौड़ी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है। इसका शिलान्यास 1971 में आगरा विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय शीतल प्रसाद जी के कर कमलों द्वारा हुआ। उस समय यह महाविद्यालय आगरा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध था। मात्र 14 छात्राओं से शुरू हुआ यह महाविद्यालय आज वर्तमान में प्रदेश भर के अग्रणी महाविद्यालयों में अपना विशिष्ठ स्थान रखता है।

महाविद्यालय के पास 8528 वर्ग मीटर का विशाल क्षेत्रफल है जिसमें 27 शिक्षण कक्ष, एक विशाल संस्कृति कक्ष, एक सेमिनार हॉल है। महाविद्यालय के पास 09 कमरे LCD सुविधा से युक्त हैं। 08 प्रयोगशालाएँ एवं 73 कम्प्यूटरों से युक्त महाविद्यालय वर्तमान डिजिटल दुनिया में कन्धे से कन्धा मिलाकर चलने में सक्षम है। सम्पूर्ण महाविद्यालय कैम्पस में छात्राओं के भविष्य की प्रगति को दृष्टव्य रखते हुए वाई-फाई की सुविधा प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के पास एक विशाल एवं समृद्ध पुस्तकालय है जिसमें 27978 पुस्तकें हैं। छात्राओं के पढ़ने के लिए विशाल वाचनालय भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त कैन्टीन, साइकिल स्टैण्ड, कैंपस में फोटो स्टेट की सुविधा, स्वच्छ एवं शीतल पानी, सैनिटाइजिंग मशीन, स्वच्छ शौचालय आदि छात्र हित की अनेकों सुविधाएं उपलब्ध हैं।

वर्तमान में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर (हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, संस्कृत, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, कला, संगीत, गृह विज्ञान) तथा परास्नातक स्तर पर (हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, कला, गृहविज्ञान, उर्दू) के साथ साथ बी.एल.एड., बी.कॉम, बी.एस.सी. होमसाइंस, बी.एड., एम.एड. सहित इग्नू से स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्सेज करने की सुविधा उपलब्ध है।

महाविद्यालय की बागडोर कुशल प्रबंध समिति के हाथों में है। महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के अति उदार अध्यक्ष श्री अमिताभ वीरा जी की अध्यक्षता में रानी माँ का सपना कल्पनाओं के आकाश से उतरकर धरातल पर न केवल मजबूती से खड़ा है बल्कि दूर देशों में भी अपनी सफलता का डंका बजाए हुए है। विनम्र, सहृदय, मृदुभाषिणी, महाविद्यालय की सचिव कुंवरानी रूचि वीरा जी का मार्गदर्शन एवं सहयोग महाविद्यालय को प्रगति पथ पर निरंतर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। विदेशों में उच्च पदस्थत महाविद्यालय की छात्राएँ रानी माँ के सपनों को साकार रूप में प्रतिबिम्बित कर रही हैं। प्राचार्या प्रो. (डॉ.) पारूल त्यागी जी के कुशल नेतृत्व में महाविद्यालय नित नूतन उपलब्धियों के पथ पर अग्रसर है। सुयोग्य शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के योगदान से महाविद्यालय की सभी व्यवस्थाएं सुव्यविस्थत ढंग से व्यवस्थित है। वीरा कुल की छाँव तले महाविद्यालय परिवार निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

कुँवरानी रुचि वीरा

सचिव

रानी भाग्यवती देवी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय

बिजनौर (उ०प्र०)

संदेश

स्व० धर्मवीर जी, स्व० कुँवर कान्तिवीर जी एवं स्व० कुँवर सत्यवीर जी ने अपनी पूजनीय माता जी के स्वप्नों को साकार करने के लिए रानी भाग्यवती देवी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, बिजनौर की नींव रखी। इसका शिलान्यास 1971 में आगरा विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय शीतल प्रसाद जी के कर-कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

इस महाविद्यालय को प्रारम्भ करने का एक मात्र कारण जिले मे महिला शिक्षा को बढ़ावा देना था। केवल 14 छात्रओं से प्रारम्भ हुआ यह महाविद्यालय आज प्रदेश के विख्यात महाविद्यालयओं में से एक है।

1971 में महिला शिक्षा न के बराबर थी। उस समय एक मात्र महिला महाविद्यालय जिले मे होना तुफान मे दीपक जलाने के समान था। रानी भाग्यवती देवी महिला महाविद्यालय ने जिले मे महिला शिक्षा की एक क्रान्ति सी लाकर रख दी थी।

कुशल प्राचार्या प्रो० (डा०) पारुल त्यागी जी के निर्देशन में महाविद्यालय नित नई ऊचाईयों को छू रहा है। महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण दिन-रात कार्य करके कॉलेज को उन्नति के पथ पर अग्रसर किये है। मेरी सर्वप्रिय छात्रायें जो महाविद्यालय की शान है, मान है और प्रत्येक कार्यक्रम मे जीवंतता का प्रतीक हैं, मै उनके भविष्य की उज्जवल कामना करते हुये यही सन्देश देना चाहुँगी कि आपके होने से ही हमारा अस्तित्व है और महाविद्यालय का अस्तित्व है अत: सदैव सम्बन्ध बनाये रखने का प्रयास करे।

प्राचार्या सन्देश

प्रो० (डॉ०) पारुल त्यागी

प्राचार्या

एम०ए०, एम०फिल०, पी०एचडी० (अंग्रेजी)

बी०एड०, एम०एड०

प्रिय छात्राओं एवं सम्मानित अभिभावकों जैसा कि सर्वविदित है कि वर्तमान युग नित नई चुनौतियों से भरा युग है इस क्षण-प्रतिक्षण बदलते परिवेश में शिक्षा क्षेत्र की जिम्मेदारियां भी व्यापक हो गई है। उच्च शिक्षा पर इस परिवर्तन को समझने और समाज को इसके लिये तैयार करने का भार है। हमारा महाविद्यालय रानी भाग्यवती देवी महिला महाविद्यालय बहुत ही सुगमता पूर्ण अपने कर्त्तव्यो का निर्वाहन उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कर रहा है। हजारो की संख्या में छात्राओं को शिक्षित करना एवं भावी जीवन के लिए जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करना संस्था का प्रथम लक्ष्य है।

कोविड-19 ने मनुष्य के सोचने-विचारने और जीने के ढंग को गहराई तक प्रभावित किया। दिसम्बर-19 के बाद मनुष्य को इस बात का आभास हुआ कि भौतिकता पूर्ण जीवन और बड़ी-बड़ी उपाधियों के बाद भी इस त्रासदी से कोई अछूता नही रहा एवं जिस चीज ने मनुष्य को सहारा दिया वो थी मानवीयता। मानव- मूल्य, सतज्ञान, आध्यात्मिकता महाविद्यालय की आधारशिलायें है। कोविड-19 के बाद महाविद्यालय में शिक्षण-अधिगम ब्लेंडेड मोड में चलाया जाने लगा है क्योंकि ये समय की आवश्यकता है। महाविद्यालय मे वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित लगभग-16 विभाग सुचारू रूप से संचालित है, जिनमे योग्य एवं अनुभवी, कुशल, शिक्षक पूर्ण लगन के साथ अध्यापन कार्य कर रहे है। छात्राओं के व्यक्तित्व के विकास के लिये विभिन्न समितियां बनी हुई है जैसे सांस्कृतिक समिति, काउन्सिलिंग एवं मेन्टरिंग समिति, शिकायत-निवारण सेल, शिक्षक-अभिभावक संघ, दिव्यांग एवं वंचित समूह सहायता समिति, कैरियर मार्गदर्शन परामर्श समिति, एंटी रैगिंग समिति, निर्धन छात्र कल्याण समिति, कैम्पस प्लेसमेंट समिति इत्यादि इसके अतिरिक्त छात्राओं के हित को देखते हुये महाविद्यालय में LMS (Learning Management System) की व्यवस्था भी गत वर्ष से की जा रही है। महाविद्यालय सदैव छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं कल्याण के लिये सदैव तत्पर है। छात्राओं के लिये हैल्थ केयर सेल एवं महिला उत्पीड़न सेल की व्यवस्था भी महाविद्यालय में हैं। महाविद्यालय में मूल्य शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये प्रतिदिन की शुरूआत माँ शारदा की आराधना के साथ की जाती है एवं छात्राएं मूल्य-शिक्षा कार्यक्रम में अपने विचार प्रस्तुत करतीं है। छात्राओं के हित को देखते हुये महाविद्यालय मे एक समृद्ध केन्द्रीय पुस्तकालय है जिसमे लगभग 18000 पुस्तकें एवं मैग्ज़ीन छात्राओं के लिये है। पुस्तकालय में प्रतिदिन 06 समाचार पत्र राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के आते है। खेल में रूचि रखने वाली छात्राओं के लिये शारीरिक शिक्षा एवं विभाग नित नई गतिविधियां कराता है एवं प्रत्येक वर्ष अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कैम्प का आयोजन करता है। महाविद्यालय सरकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों में बड़ी रूचि के साथ सहभागिता करता है। सड़क सुरक्षा कार्यक्रम, महिला शक्ति कार्यक्रम एवं डिजी-इण्डिया जैसी गतिविधियों में हमारी छात्रायें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती है। प्रतिवर्ष छात्रायें विश्वविद्यालय में स्थान ग्रहण करती है जो कि बधाई की पात्र हैं। छात्राओं को आई.सी.टी. स्किल्ड बनाने के लिये प्रत्येक कक्षा में अध्यापन एल.सी.डी. प्रोजेक्टर एवं स्मार्ट क्लासेज के माध्यम से कराया जाता है। महाविद्यालय मे प्रत्येक वर्ष यू.जी.सी. एवं नैक प्रयोजित सेमिनार एवं वर्कशॉप का आयोजन इस बात की पुष्टि करता है कि महाविद्यालय राष्ट्रीय स्तर के मानको को पूर्ण करने मे सक्षम है। महाविद्यालय की प्रत्येक गतिविधि एवं कार्यक्रम को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराने में प्रबन्ध समिति का विशेष योगदान रहता है। महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री अमिताभ वीरा जी अत्यन्त सकारात्मक एवं दूर-दृष्टिवान व्यक्तित्व है और सदैव महाविद्यालय का मार्गदर्शन करते रहते है। महाविद्यालय प्रबन्ध समिति की सचिव कुँवरानी रूचि वीरा जी कुशल एवं अनुभवी दिशा-निर्देश देकर सदैव अपना आशीर्वाद बनाये रखती है। सचिव महोदया कुँवरानी रूचि वीरा जी समय-समय पर महाविद्यालय आकर शिक्षकों एवं छात्राओं के बीच समस्याओं को जानने का प्रयास करतीं है एवं सर्वोत्तम समाधान देने के लिये प्रयासरत् रहती हैं। मुझे आशा है कि आप अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय इस परिसर में हमारे सानिध्य में बितायेंगे। यहां उपलब्ध पठन-पाठन की अत्याधुनिक सुविधाओं का अपने जीवन में सर्वोत्तम उपयोग करेगी तथा परिसर की गरिमा मे अभिवृद्धि के लिये हम आपसे अपेक्षा करते है एवं आपका स्वागत करते है।

प्रो० (डॉ०) पारुल त्यागी

mission

Our mission is to faster the intellectual, aesthetic moral, Physical, Social, emotional, potential of the students in a safe accessible and affordable learning environment.

vision

Driven to provide excellent educational opportunities that are responsive to needs of our students and empower them to meet ane exceed challenges as active participants in shaping the future of the world.

प्राचार्या सूची

1.	श्रीमती इन्दू अहलूवालिया	इन्चार्ज	15.07.1971 - 13.12.1974
2.	डॉ. उषा किशोर	-	14.12.1974 - 02.07.2000
3.	डॉ. विदुषी भारद्वाज	कार्यवाहक	03.07.2000 - 23.09.2000
4.	डॉ. उषा किशोर	-	24.09.2000 - 30.06.2002
5.	डॉ. मंजुला कुमार	कार्यवाहक	01.07.2002 - 22.08.2003
6.	डॉ. मधु अग्रवाल	कार्यवाहक	23.08.2003 - 02.10.2003
7.	डॉ. मंजुला कुमार	कार्यवाहक	03.10.2003 - 04.02.2009
8.	डॉ. मृदुला मित्तल	-	05.02.2009 - 15.05.2009
9.	डॉ. मंजुला कुमार	कार्यवाहक	16.05.2009 - 14.05.2014
10.	डॉ. मधु अग्रवाल	कार्यवाहक	15.05.2014 - 05.04.2015
11.	डॉ. रश्मि त्रिवेदी	कार्यवाहक	06.04.2015 - 02.05.2017
12.	डॉ. विदुषी भारद्वाज	कार्यवाहक	03.05.2017 - 24.12.2018
13.	डॉ. ज़किया रफत	कार्यवाहक	25.12.2018 - 01.11.2021
14.	प्रो. (डॉ.) पारूल त्यागी	-	02.11.2021 -

महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

स्नातक स्तर पाठ्यक्रम

बी०ए०

वित्तपोषित

- हिन्दी - अंग्रेजी - उर्दू - संस्कृत - राजनीतिशास्त्र - समाजशास्त्र
- गृहविज्ञान - चित्रकला - संगीत (गायन)

स्व-वित्तपोषित

- इतिहास - भूगोल - अर्थशास्त्र - शिक्षाशास्त्र

बी०कॉम० स्ववित्तपोषित

सह-पाठ्यचर्या विषय (Co-Curricular Subjects)

सेमेस्टर	I	खाद्य पोषण एवं स्वच्छता
	II	प्राथमिक उपचार एवं स्वास्थ्य
	III	मूल्य एवं पर्यावरण अध्ययन
	IV	शारिरिक शिक्षा एवं योग
	V	विश्लेषणात्मक योग्यता एवं डिजिटल जागरुकता
	VI	संचार कौशल एवं व्यक्तित्व विकास

व्यवसायिक पाठ्यक्रम (Vocational Sub): महाविद्यालय द्वारा यथा समय आंवटित किया जायेगा।

परास्नातक स्तर पाठ्यक्रम-

वित्तपोषित: एम०ए० (हिन्दी) एम०ए० (समाजशास्त्र)

स्ववित्तपोषित: एम०ए० (अंग्रेजी) एम०ए० (राजनीति विज्ञान)
एम०ए० (उर्दू) एम०ए० (चित्रकला)
एम०ए० (गृहविज्ञान)

व्यवसायिक पाठ्यक्रम-

स्ववित्तपोषित: बी०एस०सी० (गृहविज्ञान) एम०एस०सी० (गृहविज्ञान)
बी०एल०एड० बी०एड० एम०एड०

महाविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रम

IGNOU PROGRAM LIST

S. No.	Name of Programme	Prog. Code	Eligibility	Duration
1.	स्नातक उपाधि प्रारम्भिक कार्यक्रम	B.P.P.	Minimum Age 18 years (No formal Qualification)	6 Months
2.	कला स्नातक	B.A.	10+2/Equivalent/B.P.P. from Ignou	3 Years
3.	वाणिज्य स्नातक	B.Com.	10+2/Equivalent/B.P.P. from Ignou	3 Years
4.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक	B.L.I.C.	Bachelor's Degree with 50% marks	1 Years
5.	समाज कार्य में स्नातक	B.S.W.A.	10+2/Equivalent/B.P.P. from Ignou	3 Years
6.	एम.ए. हिन्दी	M.H.D.	Bachelor's or Higher Degree from Recognised University	2 Years
7.	एम.ए. लोक प्रशासन	M.P.A.	Bachelor's or Higher Degree from Recognised University	2 Years
8.	एम.ए. अर्थशास्त्र	M.E.C.	Bachelor's or Higher Degree from Recognised University	2 Years
9.	एम.ए. ग्राम विकास	M.A.R.D.	Bachelor's or Higher Degree from Recognised University	2 Years
10.	एम.कॉम.	M.Com.	Bachelor's or Higher Degree from Recognised University	2 Years
11.	एम.ए. इतिहास	M.A.H.	Bachelor's or Higher Degree from Recognised University	2 Years
12.	चाईल्ड एंड फैमिली थेरेपी	M.Sc. (CFT)	Bachelor's Degree with Speciaization	2 Years

DIPLOMA COURSES

S. No.	Name of Programme	Prog. Code	Eligibility	Duration
1.	पत्रकारिता एवं जनसंचार	PGJMC	Bachelor's Degree with 2 Years Experience in Media Organization	1 Year
2.	ग्राम विकास में डिप्लोमा	PGDRD	Bachelor's Degree	1 Year
3.	महिला सशक्तिकरण एवं विकास	DWED	10+2 or Equivalent	1 Year
4.	पोषण एवं स्वस्थ्य शिक्षा में डिप्लोमा	DNHE	10+2 or Equivalent	1 Year

CERTIFICATE COURSES

S. No.	Name of Programme	Prog. Code	Eligibility	Duration
1.	पर्यावरण अध्ययन	CES	10+2 or its equivalent or BPP from IGNOU	6 months
2.	भोजन एवं पोषण	CFN	Minimum Age 18 Years No formal Qualification	6 months
3.	मानव अधिकार	CHR	10+2 or its equivalent or BPP from IGNOU	6 months
4.	मार्गदर्शन	CIG	10+2 or its equivalent or BPP from IGNOU	6 months

फीस तालिका Grant in Aid Courses

S. No.	Subjects	Fees
1.	**B.A. I Year**	
	Without Practical	1860/-
	With One Practical	2150/-
	With Two Practical	2440/-
	Practical Subjects: Geography, Education, Home Science, Music, Drawing, Painting	
2.	**B.A. II Year**	
	Without Practical	1845/-
	With One Practical	2135/-
	With Two Practical	2425/-
	Practical Subjects: Geography, Education, Home Science, Music, Drawing & Painting	
3.	**B.A. III Year**	
	Without Practical	1845/-
	With One Practical	2135/-
	With Two Practical	2425/-
	Practical Subjects: Geography, Education, Home Science, Music, Drawing & Painting	
4.	**M.A. I Year** Hindi	1845/-
	Sociology	1845/-
5.	**M.A. II Year** Hindi	1845/-
	Sociology	1845/-

नोट :- - सभी कक्षाओं के सम्मुख अंकित फीस में विश्वविद्यालयी फीस शामिल नहीं है।
- शासन अथवा विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त फीस में कोई परिवर्तन होता है तो यथा निर्देश कार्यवाही के द्वारा उसकी सूचना कॉलेज के सूचना पट पर चस्पा कर दी जाएगी। साथ ही सम्बन्धित सूचना कॉलेज द्वारा बनाए गए वाट्सऐप ग्रुप पर भी प्रेषित की जाएगी। कृपया सूचना पट एवं वाट्सऐप को समयानुसार देखते रहें।

नोट :- प्रवेश शुल्क जमा करने के उपरान्त यदि कोई छात्रा स्वयं की ईच्छानुसार महाविद्यालय छोड़ती है अथवा प्रवेश निरस्त करवाती है तो ऐसी स्थिति में प्रवेश के समय जमा की गई शुल्क की राशि वापस नहीं की जाएगी।

फीस तालिका Self Finance Courses

S. No.	Subjects	Fees	
1.	B.Com.	- I Year	6750/-
		- II Year	6550/-
		- III Year	6850/-
2.	B.Sc. Home Science	- I Year	16,150/-
		- II Year	15,950/-
		- III Year	16,250/-
3.	M.A. Home Science	- I Year	8,350/-
		- II Year	8,450/-
4.	M.A. Drawing & Painting	- I Year	8,350/-
		- II Year	8,450/-
5.	M.A. English	- I Year	8,350/-
		- II Year	8,450/-
6.	M.A. Urdu	- I Year	8,350/-
		- II Year	8,450/-
7.	M.A. Political Science	- I Year	8,350/-
		- II Year	8,450/-
8.	M.Sc. Home Science	- I Year	25,000/-
		- II Year	25,000/-
9.	B.Ed	- I Year	51,250/-
		- II Year	30,000/-
10.	B.El.Ed	- I Year	25,000/-
		- II Year	25,000/-
		- III Year	25,000/-
		- IV Year	25,000/-
11.	M.Ed.	- I Year	45,000/-
		- II Year	45,000/-

छात्राओं के लिये सामान्य अनुपालिका

1. महाविद्यालय परिसर में उपस्थिति के समय सभी छात्राएं अपना पहचान पत्र पहनेंगी।
2. प्रत्येक छात्रा से अपेक्षित है कि वह कक्षा, प्रयोगशाला तथा महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखेगीं।
3. प्रत्येक छात्रा महाविद्यालय परिसर में अपने आचरण व अन्य गतिविधियों के लिए महाविद्यालय के प्रति उत्तरदायी रहेगीं।
4. कोई भी ऐसी गतिविधि जिससे महाविद्यालय में शिक्षण, अनुसंधान व प्रशासनिक कार्य में बाधा उत्पन्न हो करना वर्जित है।
5. महाविद्यालय और छात्रावास परिसर के अंदर ताश खेलना, थूकना और घूमना फिरना वर्जित है, ऐसा करते पाया जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।
6. महाविद्यालय में मोबाइल का प्रयोग छात्राए केवल अध्ययन के लिए करेंगी।
7. कालेज की सम्पत्ति या कालेज समुदाय के किसी सदस्य की सम्पत्ति या अन्य व्यक्तिगत या सार्वजनिक सम्पत्ति की चोरी या चोरी का प्रयास एक दंडनीय कार्य माना जाएगा।
8. सभी छात्राएं खाली समय में पुस्तकालय का प्रयोग करेंगीं।
9. सभी छात्राएं महाविद्यालय की सम्पत्ति की देखभाल करेंगी। अन्यथा की स्थिति में महाविद्यालय से निष्कासन या निलम्बन किया सकता है।
10. महाविद्यालय परिसर में रैगिंग, संस्था विरोधी, राष्ट्र विरोधी, असामजिक साम्प्रदायिक, अनैतिक या राजनैतिक गतिविधियां पूर्णतया प्रतिबंधित व दंडनीय है।
11. कक्षा में देर से आने वाली छात्राओं को कक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
12. सभी छात्राओं को न्यूनतम 75% उपस्थिति प्रत्येक विषय में 100% प्रदर्शन के साथ बनाए रखनी होगी, अन्यथा मुख्य परीक्षा से वंचित कर दिया जाएगा।
13. सभी छात्राएँ समय-समय पर महाविद्यालय की वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर दी गई सूचनाओं को आवश्यक रूप से पढ़ेंगीं।

टी.सी, सी.सी व परिचय पत्र से सम्बन्धित दिशा-निर्देश

1. महाविद्यालय में प्रत्येक छात्रा को महाविद्यालय द्वारा निर्गत परिचय पत्र पर यथास्थान अपना नवनीतम चित्र चिपकाकर सुरक्षित रखना होगा, जिसे महाविद्यालय के अधिकारी के मांगने पर प्रस्तुत करना होगा। बिना परिचय पत्र के महाविद्यालय परिसर में घूमना वर्जित है। जिन छात्राओं के पास परिचय पत्र नहीं होगा, उन्हें महाविद्यालय कार्यालय, पुस्तकालय, क्रीडा विभाग द्वारा विविध सुविधाएं दिए जाने में मना किया जा सकता है। कक्षा में प्रविष्ट छात्राओं को प्रवेश शुल्क जमा करने के तुरन्त बाद परिचय पत्र प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लेना अनिवार्य है। अपूर्ण परिचय पत्र स्वीकार्य नहीं होगा। परिचय पत्र के आधार पर सम्बंधित प्राध्यापक अपनी व्याख्यान पंजिका में छात्रा का नाम अंकित कर सकेंगे। परिचय पत्र खो जाने पर रू. 50/- शुल्क जमा करके परिचय पत्र बनाया जा सकता है। छात्राएं प्रवेश शुल्क जमा करने के साथ ही परिचय पत्र सम्बंधित प्रवक्ता के पास जमा करें। सम्बन्धित प्रवक्ता का उल्लेख प्रोक्टर ऑफिस के बाहर नोटिस बोर्ड पर किया जायेगा।

2. कालेज से केवल एक बार ही चरित्र प्रमाण एवं टी.सी. दिया जायेगा। टी.सी. व सी.सी. की द्वितीय प्रतिलिपि प्राप्त करने के लिए शपथ पत्र देना होगा।

3. चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्ति हेतु प्रार्थना पत्र चीफ प्रोक्टर से अग्रसारित कराकर कार्यालय में प्रस्तुत करें।

4. कोई भी प्रमाण पत्र कार्यालय में प्रार्थना पत्र जमा करने के तीन दिन बाद ही मिल सकेगा।

महाविद्यालय में प्रवेश के नियम

1. शैक्षणिक सत्र 2022-2023 में प्रवेश के लिए पंजीकरण हेतु आवेदन पत्र भरने के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mjpruonline.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन के लिंक पर क्लिक करना होगा।
2. आवेदन पत्र भरने के लिए छात्राओं के पास निम्न दस्तावेज होना आवश्यक है-
   - 10वीं कक्षा की अंकतालिका (मूल प्रति)
   - 12वीं कक्षा की अंकतालिका (मूल अथवा इंटरनेट की प्रति)
   - आधार कार्ड (मूल प्रति)
   - जाति प्रमाण पत्र (केवल OBC, SC, ST के लिए मूल प्रति)
   - मूल निवास प्रमाण पत्र (मूल प्रति)
   - स्कैन किए हुए हस्ताक्षर
   - हालिया पासपोर्ट साइज कलर फोटो
   - gmail/Email ID
   - दिव्यांग होने की स्थिति में दिव्यांग प्रमाण पत्र (मूल प्रति)
   - अन्य प्रमाण पत्र (स्पोर्टस, दिव्यांग)
   - स्वयं का अथवा माता-पिता अथवा अभिभावक का मोबाइल फोन
3. 2022-23 में स्नातक स्तर पर प्रवेश के लिए वर्ष 2020, 2021, 2022 की उत्तीर्ण छात्राएं ही पात्र होंगी।
4. किसी भी प्रकार के भारांक (वेटेज) के लिए उससे सम्बंधित प्रमाण पत्र की मूल प्रति प्रस्तुत करना होगा।
5. आवेदन पत्र में मांगी गई सूचनाओं को ध्यानपूर्वक अत्यन्त सावधानी से भरवाना सुनिश्चित करें अन्यथा की स्थिति में छात्राएं स्वयं जिम्मेदारी होंगी।
6. कोई भी त्रुटि होने की स्थिति में Submit Application से पहले त्रुटि सुधार किया जा सकता है बाद में नहीं।
7. आवेदन पत्र की उपरोक्त प्रविष्टियां भरने के पश्चात छात्रा के मोबाइल नम्बर एवं ईमल आईडी पर एक यूजर आईडी एवं पासवर्ड भेजा जाएगा। प्राप्त आईडी एवं पासवर्ड को ध्यानपूर्वक सम्भाल कर रखना होगा। इसके उपयोग से ही छात्राएं अपने पंजीकरण लॉग इन पटल में प्रवेश कर पाएंगी तथा अपने आवदेन पत्र को देख पाएंगी।
8. आवेदन शुल्क 100/- का भुगतान ऑनलाइन डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग के माध्यम से कर सकते हैं।
9. आवेदन पत्र पूर्ण होने के उपरान्त Download Pdf के माध्यम से आवेदन पत्र का प्रिंट निकाल कर महाविद्यालय में जमा करना होगा। महाविद्यालय में फार्म जमा करने के पूर्व छात्राएं सभी दस्तावेजों की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखना सुनिश्चित करें।

Note - कृपया प्रवेश नियमावली में लिखे गए नियमों को ध्यानपूर्वक पढ़े। प्रवेश के नियम सत्र २०२२-२३ के लिए लागू होंगे।

महाविद्यालय में शिक्षण विभाग

हिंदी विभाग

हिन्दी भाषा विश्व की तीसरी तथा भारत की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज एवं सुगम होने के साथ-साथ हिन्दी विश्व की सबसे वैज्ञानिक भाषा है। महाविद्यालय में 1971 से स्नातक एवं 1982 से स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी की कक्षाएं शुरु की गई। 1989 में विभाग शोध केन्द्र बना। अभी तक 28 शोधार्थी उपाधि प्राप्त कर चुके हैं तथा वर्तमान में 6 शोधार्थी अपना शोध कार्य कर रहे हैं। हिन्दी विभाग की शिक्षिकाएं पी.एच.डी., डी.लिट्, नेट, जे.आर.एफ. हैं। विभागीय लाइब्रेरी शोध प्रबन्ध, शोध पत्रिकाओं, साहित्यिक पत्रिकाओं से समृद्ध है जो शोधार्थियों व छात्राओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है। प्रारम्भ से ही विभाग द्वारा हिन्दी पखवाड़ा, निराला जयंती, प्रसाद जयंती एवं अन्य साहित्यिक गतिविधियों का आयोजन होता रहा है। साहित्य जगत एवं शिक्षा जगत के अनेक विद्वान जैसे प्रो. अशोक वाजपेई, कुलपति, अन्तर्राष्ट्रीय वि.वि. वर्धा, प्रो. नरेन्द्र मोहन, प्रख्यात कवि, नाटककार, आलोचक, प्रो. कुँवर बेचैन, सुप्रसिद्ध गीतकार एवं गज़लकार, प्रो. विनोद तनेजा, प्रो. नीरजा माधव, सुप्रसिद्ध साहित्यकार अलका सिन्हा आदि ने अपने व्याख्यानों से छात्राओं के ज्ञान को समृद्ध किया है। विभाग की कई छात्राएं उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत हैं तथा हिन्दी साहित्य के आकाश में अपना परचम लहरा रही हैं। प्रतिष्ठित पत्रिकाओं एवं आकाशवाणी नजीबाबाद से छात्राओं की रचनाएं प्रकाशित एवं प्रसारित होती रही हैं। हिन्दी विषय रोजगार के अनेक अवसर प्रदान करता है। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, फेसबुक, यूट्यूब, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कम्पनियों में, सिविल सेवा, बैंक, ट्रांसलेटर, आकाशवाणी, दूरदर्शन, समाचार पत्र आदि में रोजगार के असंख्य अवसर उपलब्ध हैं।

अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी एक अर्न्तराष्ट्रीय भाषा है जिसके ज्ञान के बिना आज के युग में प्रगति सम्भव नहीं है। अंग्रेजी विभाग की स्थापना भी महाविद्यालय की स्थापना के साथ-साथ ही हुई थी। महाविद्यालय में आने वाली अधिकांश छात्राएं ग्रामीण पृष्ठभूमि से हैं ऐसे में विभाग का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं की अंग्रेजी भाषा पर मजबूत पकड़ बनाना है जिससे वे व्यावसायिक प्रगति की ओर बढ़ सकें। विभाग समय-समय पर छात्राओं के भाषा कौशल को सुधारने हेतु रेमेडियल/अतिरिक्त कक्षाओ का संचालन करता है। अंग्रेजी विभाग की छात्राएं आर्थिक व सामाजिक रूप से सबल होकर विभाग का नाम रोशन कर रही हैं। विभाग अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पूर्ण रूप से समर्पित है। अंग्रेजी भाषा में स्नातकोत्तर के उपरांत सरकारी और निजी संगठन, शैक्षिक संस्थान, एडिटर, इंग्लिश ट्रांसलेटर के विकल्प मौजूद हैं।

संस्कृत विभाग

महाविद्यालय के स्थापना वर्ष से ही संस्कृत विषय स्नातक स्तर पर महाविद्यालय में संचालित है। यहां संस्कृत विषय स्नातक स्तर पर चलाया जा रहा है। संस्कृत भाषा सर्वाधिक प्राचीन भाषा है, यह प्रमाणित हो चुका है। हिन्दी सहित अनेक भारतीय एवं विदेशी भाषाओं का भी मूल संस्कृत भाषा है, भाषा विज्ञान इस तथ्य को प्रमाणित कर चुका है। संस्कृत का वाङ्मय समृद्ध एवं प्रचुर है। हिन्दू धर्म से सम्बोधित प्राय: सभी धर्म ग्रन्थ संस्कृत भाषा में ही लिखे गए हैं। जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म के अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थ संस्कृत में ही लिखे गए हैं। संस्कृत भाषा के अध्ययन से सुसंस्कृत समाज का निर्माण होता है क्योंकि संस्कृत साहित्य नैतिक मूल्यपरक श्लोक, सूक्तियों, नाटक, काव्य, कविता आदि से भरा हुआ है। यथा-वैदिक संस्कृति में गर्भ से पंचतत्वलिय पर्यन्त षोडश संस्कार का विधान है। संस्कृत साहित्य का अध्ययन चारित्रिक निर्माण में अत्यन्त सहायक होता है। आधुनिक काल में भी संस्कृत की वैज्ञानिकता प्रमाणित हो चुकी है। सन् 1987 में अनुसंधान संस्था नासा ने संस्कृत भाषा को कम्प्यूटर के लिए सर्वोत्तम भाषा घोषित किया है। संस्कृत में सर्वाधिक शब्दों का प्रयोग पाया जाता है। संस्कृत भाषा बोलने से उच्चारण शुद्ध एवं मस्तिष्क तेज होता है, यह भी प्रमाणित हो चुका है। संस्कृत नि:सन्देह एक अन्तरा-अनुशासिनक विषय है।

महाविद्यालय का संस्कृत विभाग समय-समय पर अनेकानेक प्रतियोगिताओं, यथा-श्लोक लेखन, संस्कृत संभाषण, संस्कृत वाचन, संस्कृत प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं चार्ट निर्माण प्रतियोगिता आदि का आयोजन कराता रहता है। महाविद्यालय स्तर पर सम्पन्न होने वाली गतिविधियों, प्रतियोगिताओं, वार्षिकोत्सव आदि में संस्कृत छात्राएं बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग करती हैं। संस्कृत संस्थानों से चलाई जाने वाली योजनाओं एवं छात्रवृत्ति आदि का लाभ छात्राओं को दिलाने के लिए भी संस्कृत विभाग प्रयासरत रहता है। संस्कृत विषय का अध्ययन कैसे रोजगारपरक है, समय-समय पर छात्राओं को इसकी जानकारी भी दी जाती है। वर्षपर्यन्त होने वाली जयन्तियों एवं संस्कृत संबंधी विशेष दिवसों को संस्कृत विभाग जोर-शोर से मनाता है। इस विभाग से अनेक लब्धख्याति विद्वानों की सम्बद्धता रही है। विभाग में समय-समय पर संगोष्ठियों एवं कार्यशालाएं आयोजित होती रहती हैं।

उर्दू विभाग

महाविद्यालय में उर्दू विभाग की स्थापना 1991 में हुई। बिजनौर जनपद में यह एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है जिसमें उर्दू विषय की स्नातकोत्तर स्तर तक शिक्षा प्रदान की जाती है। विभाग उर्दू साहित्य और भाषा के विकास के लिए निरन्तर प्रयासरत है। इसके लिए समय-समय पर उर्दू पत्रिका प्रकाशन, सेमिनार व मुशायरे आदि संचालित किये जाते हैं। विभाग छात्राओं को प्रतियोगी परिक्षाओं में भी भाग लेने के लिए प्रेरित करता है एवं यू.जी.सी. नेट की तैयारी भी कराता है। आगामी वर्ष में विभाग में शोध केन्द्र भी खोले जायेंगे। उर्दू भाषा व साहित्य में सफलता की अपार संभावनाएं हैं। उर्दू विषय में बी.ए. या एम.ए. के बाद बी.एड., एम.एड., नेट, एम. फिल व पीएच.डी. कोर्स करके राज्य लोक सेवा आयोग, संघ लोक सेवा आयोग आदि प्रतियोगी परिक्षाओं के द्वारा नौकरी प्राप्त कर बन सकते हैं। इसके अलावा अनुवादक, पत्रकार, टाईपिस्ट व दूतावास में भी उर्दू विषय के माध्यम से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। अपने देश के अलावा अन्य देशों में भी दोहा, कतर, दुबई, सऊदी अरब, अमेरिका व इंगलैण्ड आदि में भी उर्दू शिक्षक की अत्यधिक मांग रहती है।

राजनीति विज्ञान विभाग

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही राजनीति विज्ञान एक विषय के रूप में संचालित है। विषय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है।

राजनीति विज्ञान विषय भारत के प्रत्येक नागरिक विशेषकर हमारे युवा वर्ग छात्र/छात्राओं के लिए जानना तथा समझना अत्यंत आवश्यक एवं लाभकारी है, क्योंकि यह विषय हमें हमारे देश की राजनीतिक व्यवस्था से परिचय कराने के साथ-साथ अधिकारों और कर्त्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। विषय का पाठ्यक्रम विभिन्न देशों की संवैधानिक व्यवस्थाओं, सिद्धांतों, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के साथ-साथ भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े राष्ट्रीय आन्दोलनों व संवैधानिक विकास पर आधारित है। यह विषय विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इसे दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय में छात्राओं को विभिन्न व्यक्तिगत व समूह गतिविधियों के द्वारा शिक्षण कार्य को प्रभावी रूप से किया जाता है। शिक्षण कार्य के अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की गतिविधियों द्वारा जैसे कि वाद-विवाद, भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से तार्किक दृष्टिकोण एवं सोचने समझने की क्षमता विकसित करने का प्रयास किया जाता है। यह विषय सामान्य अध्ययन तथा राजनीतिक दृष्टि से समसामायिक मुद्दों पर भी आधारित है। राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय दृष्टि से महत्वपूर्ण समसामायिक मुद्दों पर विचार गोष्ठी, संगोष्ठी तथा परिचर्चा के द्वारा विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक कौशल के द्वारा तुलनात्मक दृष्टि विकसित करने हेतु प्रेरित किया जाता है।

भूगोल

भूगोल एक अन्तरा-अनुशासनिक विषय है। भूगोल का गणित, प्राकृतिक विज्ञानों और सामाजिक विज्ञानों के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध है। अन्य विज्ञान जबकि विशिष्ट प्रकार की परिघटनाओं का ही वर्णन करते हैं वहीं भूगोल विविध प्रकार की उन परिघटनाओं का भी अध्ययन करता है, जिनका अध्ययन अन्य विज्ञानों में भी शामिल होता है। भूगोल प्राचीन काल से ही उपयोगी विषय रहा है और आज भी भूगोल की उपयोगिता अधिक है। उन्नीसवीं सदी में पर्यावरणीय निश्चयवाद, संभवाद और प्रदेशवाद से होते हैं। बीसवीं सदी में मात्रात्मक क्रांति और व्यावहारिक भूगोल से होते हुए वर्तमान समय में भूगोल की चिन्तन धारा आलोचनात्मक भूगोल तक पहुंच चुकी है। महाविद्यालय में भूगोल विषय 2017-18 से संचालित है। भूगोल विषय के अध्ययन के बाद रोजगार प्राप्ति के अवसर सुलभ हो जाते हैं। भूगोल से बैचलर डिग्री करने के बाद रिमोट सेंसिग, एजेन्सी, मैप एजेंसी, खाद्य सुरक्षा, बायो डायवर्सिटी के क्षेत्र में करियर बनाया जा सकता है। प्रत्येक राज्य में कार्टोग्राफी डिपार्टमेंट में अभूतपूर्व जॉब के अवसर उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा विभिन्न ज्ञानवर्द्धक कार्यक्रम, मॉडल मेकिंग, मैप मेकिंग प्रतियोगिता, शैक्षिक भ्रमण आदि करवाए जाते हैं। वर्तमान समय में सिविल सेवा के उम्मीदवारों के लिए भूगोल पहली पसंद बनकर उभर कर सामने आया है।

अर्थशास्त्र विभाग

अर्थ जगत में पुरातन काल से ही अर्थशास्त्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच आर्थिक जगत बहुत अवसर प्रदान कर रहा है। महाविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग में स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित है। विभाग का उद्देश्य विषयगत मार्केटिंग, डेवलपमेंटस, ई-कॉमर्स, शेयर बाजार, बैंकिंग, कृषि इकोनॉमिक्स तथा बजट निर्माण आदि का प्रयोगात्मक परिचय प्रदान करना है। अर्थशास्त्र को एक ऐसे विषय के तौर पर देखा जा सकता है, जिसकी उपयोगिता लगभग हर क्षेत्र में होती है। अर्थशास्त्र में रोजगार की बहुत सम्भावनाएँ हैं। सरल शब्दों में कहे तो अर्थशास्त्र समाज के सीमित संसाधनों का दक्षतापूर्ण ढंग से उपयोग करने की अनेक प्रणालियों का अध्ययन है। इन्हीं बुनियादी नियमों पर हमारी व्यवसायिक व आर्थिक इकाईयों की गतिविधियां टिकी होती हैं।

इतिहास विभाग

इतिहास अतीत का अध्ययन है जो मानव के सुखमय व सुरक्षित भविष्य के लिए पथ प्रदर्शक का कार्य करता है। महाविद्यालय में इतिहास विभाग में स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित है जिसके अंतर्गत प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक भारतीय इतिहास तथा विश्व इतिहास को पढ़ाया जाता है यह प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यन्त उपयोगी है। सांस्कृतिक दृष्टि से भी इतिहास का व्यापक महत्व है क्योंकि यह मानव मस्तिष्क एवं आचरण को सुसंस्कृत बनाने का प्रभावपूर्ण साधन है। इसके अध्ययन से छात्र अपने देश की अतीतकालीन सभ्यता एवं संस्कृति के आधार पर वर्तमान संस्कृति को समझने में समर्थ होते हैं और उसके क्रमिक विकास का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इसीलिए विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं को भारतीय संस्कृति से भी अवगत कराया जाता है। विभाग का उद्देश्य इतिहासकार, पुरातत्ववेत्ता, टूरिज्म के साथ ही विभिन्न संग्रहालयों में क्यूरेटर व कंजरवेटर जैसी रोजगार की अपार सम्भावनाओं वाले क्षेत्र में छात्राओं को नवीनतम ज्ञान प्रदान करना है। इसके साथ ही टीचिंग, पत्रकारिता, लाइब्रेरी, आर्काइब्स, आर्कैलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, सांस्कृतिक मंत्रालय, इंटरनेशनल आर्गनाइजेशन, हैरिटेज मैनेजमेंट, हिस्ट्रोरिक सोसाइटीज तथा नेशनल पार्क सर्विसेज में भी रोजगार की अपार सम्भावनाएं हैं।

समाजशास्त्र विभाग

समाजशास्त्र विभाग महाविद्यालय का पुराना विभाग है। इसका अपना समृद्ध इतिहास रहा है। 1971 में महाविद्यालय की स्थापना वर्ष में हुई। वर्ष 1982 में यहां पर स्नातकोत्तर स्तर पर भी समाजशास्त्र की कक्षाएं प्रारम्भ हुई। समाजशास्त्र का क्षेत्र बहुत विस्तृत है तथा छात्राओं में यह विषय बहुत लोकप्रिय है। विभाग का उद्देश्य शिक्षण तथा विभागीय गतिविधियों के अतिरिक्त छात्रों के बीच समाज तथा राष्ट्र के प्रति जागरूकता पैदा करना है। इसके लिए विभाग द्वारा समय-समय पर महिला सशक्तिकरण, जनसंख्या विस्फोट व कन्या भ्रूण हत्या जैसे समकालीन मुद्दों पर व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशाला, वाद-विवाद, निबन्ध लेखन, वॉल मैगजीन आदि का आयोजन किया जाता है। विभाग में यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित दो राष्ट्रीय संगोष्ठियां एवम् रिसर्च प्रोजेक्ट कराई जा चुके हैं। विभाग में समय-समय पर समाजशास्त्र के बड़े-बड़े विद्वान लेक्चरर एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में पधार चुके हैं। जिनमें प्रो. इम्तियाज, जे.एन.यू, प्रो. वी.एस. सहाय इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रो. वी.के. पंत, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, प्रो. जे.के. पुण्डीर, प्रो. वाइस चांसलर, सी.सी.एस. मेरठ, प्रो. जे.बी. पचौरी, एच.एन.बी. गढ़वाल, प्रो. डी.एन. सिंह, काशी विद्या पीठ आदि नाम प्रमुख हैं। विभाग 1996 में शोध केन्द्र बना तब से अब तक विभाग से 26 शोधार्थी शोध उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। विभाग के बहुत से शिक्षक, प्रोफेसर्स, प्रशासनिक अधिकारी आदि उच्च पदों पर कार्यरत हैं। विभाग की कुछ छात्राएं विदेशों में भी कार्यरत हैं।

शिक्षाशास्त्र विभाग

स्नातक स्तर पर शिक्षाशास्त्र विषय के अध्ययन से अनेक सम्भावनाएं हैं। छात्राएं इस विषय का अध्ययन करने के बाद एम.ए. (शिक्षा शास्त्र) कर सकती हैं।

यदि वे अध्यापन को अपना व्यवसाय बनाना चाहती हैं तो वे बी.एड./एम.एड. भी कर सकती हैं। उन्हें पहले से इस विषय में धरातल प्राप्त होगा। साथ ही वे यू.जी.सी. नेट की परीक्षा शिक्षा शास्त्र विषय के रूप में चुन सकती हैं। इस प्रकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन कर सकती है। वे पी.जी.टी. एवं. टी.जी.टी. शिक्षाशास्त्र के लिए भी योग्य हैं। प्रशासनिक सेवा में जाने के लिए भी यह एक सुगम मार्ग देता है। शिक्षा शास्त्र के महत्व को देखते हुए वर्ष 2017-18 में महाविद्यालय में शिक्षाशास्त्र विभाग की स्थापना की गई है।

गृहविज्ञान विभाग

महाविद्यालय के स्थापना के समय से गृह विज्ञान एक विषय के रूप में संचालित है। यह विषय महाविद्यालय में स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के रूप में संचालित है। जिसके अंतर्गत स्नातक स्तर पर बी.ए. गृह विज्ञान, बी.एस.सी. गृह विज्ञान व स्नातकोत्तर स्तर पर एम.ए. गृह विज्ञान, एम.एस.सी. गृह विज्ञान (Food and Nutrition and Human Development) उपलब्ध हैं। गृहविज्ञान जिसे परिवार और सामुदायिक विज्ञान भी कहा जाता है, परिवार के घरों और समुदायों के बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल, बाल विकास और प्रबंधन से सम्बंधित है। यह सामुदायिक जीव के सम्बंध में पोषण, वस्त्र, मानव शरीर विज्ञान, बाल विकास, सूक्ष्म जीव विज्ञान, आंतरिक सजावट और पारिवारिक सम्बंधों की मूल बाते समझने पर केन्द्रित है। गृहविज्ञान का उद्देश्य मानव विकास के लिए समग्र पर्यावरण में सुधार करना है।

गृहविज्ञान के अध्ययन में अनेक विषयों का समावेश है जैसे भोजन एवं पोषण, आहार विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, परिवार संसाधन प्रबंधन, वस्त्र और परिधान विज्ञान, फैशन डिजाइनिंग, मनोविज्ञान, प्रसार शिक्षा, मानव विकास आदि। गृह विज्ञान उपलब्ध संसाधनों के भरपूर उपयोग से घर व पारिवारिक जीवन को दृढ़ बनाने पर बल देता है। इस विषय से विभिन्न विज्ञान विषयों को एकीकृत करके उनके ज्ञान द्वारा घर व पारिवारिक वातावरण, स्वास्थ्य और व्यक्तियों के विकास और घरेलू संसाधनों में सुधार व बढ़ोत्तरी की जाती है। छात्राओं को एम्ब्रायडरी, स्किन डेवलपमेंट, टेक्सटाइल डिजाइन, डाइट प्लान, वेस्ट मैटेरियल, पेंटिंग्स (मडाला आर्ट), पपेट, फ्लॉवर मेकिंग (पेपर, आर्कडी, फोम), स्टॉक्स आदि बनाना सिखाया जाता है। गृहविज्ञान के क्षेत्र में डाइटीशियन, माइक्रो बायोलॉजिस्ट, लेक्चरर, खाद्य उद्योग आदि के अवसर उपलब्ध हैं।

संगीत विभाग

संगीत विभाग में स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित हैं। संगीत विभाग की स्थापना महाविद्यालय के साथ-साथ हुई थी। संगीत विभाग में सांस्कृतिक कार्यक्रमों व प्रतियोगिता में विशेष प्रतिभागिता रहती है। विभिन्न अवसरों जैसे- गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, बसंत पंचमी, गांधी जयंती आदि पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य शास्त्रीय गायन का ज्ञान व उन्हें विकसित करना है। पठन-पाठन के साथ-साथ छात्राओं को आकाशवाणी, दूरदर्शन व विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए भी उच्च स्तरीय जॉब दिया जाता है, जिससे छात्राएं लाभान्वित होती हैं।

चित्रकला विभाग

चित्रकला विभाग की स्थापना सन् 1971 में महाविद्यालय की स्थापना के साथ-साथ हुई थी और तब से अब तक चित्रकला विभाग निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। सन् 2000 से विभाग में परास्नातक (एम.ए. चित्रकला) की कक्षाएं प्रारम्भ की गयी। विभाग की शिक्षिकाओं द्वारा छात्राओं को सकारात्मक विचार, मौलिक दृष्टि, तकनीकी ज्ञान तथा सृजनात्मक ऊर्जा के लिये प्रेरित किया जाता है। छात्राओं को कला के मूल तत्व यथा रेखा, रूप, रंग, तान, पोत अन्तराल एवं संयोजन के सिद्धान्तों के अतिरिक्त सौन्दर्यशास्त्र, भारतीय कला का इतिहास, विश्व कला का इतिहास आदि की विस्तृत जानकारी दी जाती है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा छात्राओं के चहुमुंखी विकास हेतु समय-समय पर सह पाठ्यगामी गतिविधियों का आयोजन किया जाता है, जिनमें छात्राएं भी पूर्ण उत्साह के साथ प्रतिभाग करती हैं एवं अपना ज्ञानवर्द्धन करती हैं। छात्राओं का समय-समय पर नेट, पीएच.डी., टी.जी.टी., पी.जी.टी. आदि परीक्षाओं की तैयारी हेतु भी मार्गदर्शन किया जाता है। चित्रकला विभाग की कुछ छात्राएं सरकारी सेवा में सहायक अध्यापिका, प्रवक्ता एवं असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। गैर सरकारी संस्थानों-में भी चित्रकला विभाग की छात्रायें कार्यरत हैं। कई छात्राओं द्वारा नेट की परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली गयी है। छात्राओं को समय-समय पर विभिन्न चित्रकला प्रतियोगिता में भी प्रतिभाग कराया जाता है एवं उनका मार्गदर्शन किया जाता है। आगामी सत्र में विभाग में शोध कार्य भी प्रारम्भ हो रहा है। चित्रकला विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. नीरू एवं विभाग की शिक्षिका डॉ. शताक्षी चौधरी के निर्देशन में छात्राएं अब शोध कार्य भी कर सकेंगी। विभाग छात्रा हित में सदैव कार्य करता रहेगा।

वाणिज्य विभाग

नई शिक्षा नीति के अनुसार बी.कॉम छः सेमेस्टर (तीन वर्षीय) आधारित स्नातक पाठ्यक्रम है जिसका मूल उद्देश्य छात्राओं को व्यापार, कम्प्यूटर, बैंकिंग, शेयर बाजार, प्रबन्धन, फाइनेंस तथा बजट निर्माण से अवगत कराना है। विभाग द्वारा छात्राओं को इंटरनेट, डिजिटल लाइब्रेरी, कम्प्यूटर लैब की सुविधा के साथ ही समय-समय पर क्विज कॉम्पटीशन, औद्योगिक दौरा व संगोष्ठियों का आयोजन भी किया जाता है। बी. कॉम उत्तीर्ण छात्राएँ चार्टर्ड एकाउंटेंट (C.A.) (चार्टर्ड अकाउंटेंट का काम वित्त का प्रबंधन करना, बैंक अकाउंट मैनेज करना, बजट आडिटिंग और टैक्सेशन आदि होता है।) कम्पनी सेक्रेटरी (C.S.) (कम्पन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के द्वारा जो भी अलग-अलग प्रकार के नियम बनाए जाते हैं उनको मैनेज और अप्लाई करता हो।)

डिजिटल मार्केटर, कानूनी सलाहकार, कर सलाहकार (यह एक विशेष कर लेखांकन, कर कानून ज्ञान और जानकारी रखने वाला एक वित्तीय विशेषज्ञ होता है।) अनुसंधान और विकास ऑर्गनाइजर, विपणन प्रबन्धन (विपणन प्रबन्धन का कार्य मांग के स्तर, समय एवं संरचना को व्यवस्थित करके उद्देश्यों की पूर्ति करता है।), वित्तीय सलाहकार, आंकड़ा विश्लेषण, कॉस्ट एण्ड वर्क एकाउंटेंट (सी.डब्लयू.ए.), बैंक मैनेजर, यू.पी.एस.सी. से सम्बन्धित फील्ड में अपना कैरियर बना सकती हैं। इस विभाग की स्थापना सत्र 2015-16 में हुई थी।

बी.एड.

अध्यापक शिक्षा विभाग सन् 2007 से निरन्तर सफलतापूर्वक नई ऊंचाईयों को छू रहा है। बिजनौर शहर के समस्त अध्यापक शिक्षा संस्थानों में यह संस्थान

एक अलग पहचान बनाये हुये है। दूरदराज से छात्राएँ यहां शिक्षिका बनने का स्वप्न लेकर आती हैं और बी.एड. कोर्स पूर्ण करती हैं। कैम्पस प्लेसमेंट द्वारा उनको, जॉब भी उपलब्ध कराया जाता है। कैम्पस प्लेसमेंट, विस्तार, शिक्षा, स्वास्थ्य कैम्प, शिक्षक अभिभावक संघ इत्यादि अध्यापक शिक्षा विभाग के मुख्य तलचिन्ह है। अध्यापक शिक्षा विभाग विभिन्न कौशल युक्त शिक्षक निर्माण पर ज़ोर देता है जो वर्तमान समाज की आवश्यकता है। छात्राओं के समस्त विकास हेतू अध्यापक शिक्षा विभाग की व्यक्तित्व विकास कार्यशाला, आई.सी.टी. कार्यशाला, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, सूक्ष्म शिक्षण, अनुकरण कार्यशाला व अभिनव शिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन प्रत्येक सत्र में करता है।

एम.एड.

महाविद्यालय में संचालित एम.एड. विभाग अध्यापक शिक्षा का एक उच्च स्तरीय पाठ्यक्रम है। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से छात्रायें इसमें प्रवेश लेती हैं। इस विभाग का मुख्य ध्येय शोध के प्रति छात्राओं में रूझान उत्पन्न करना है एवं गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक सत्र में दस दिवसीय शोध कार्यशाला का आयोजन भी किया जाता है। विभाग में नेट से सम्बन्धित सेशन एवं नोट्स छात्राओं को उपलब्ध कराये जाते हैं। विभाग की कई छात्रायें नेट एवं पीएचडी की परीक्षायें उत्तीर्ण कर उच्च शिक्षा में प्रवेश कर चुकीं हैं।

बी.एल.एड. विभाग

कोठारी कमीशन के शब्दों में ''देश का निर्माण उसकी कक्षाओं में होता है।'' एक शिक्षक ही भावी नागरिकों का निर्माण करता है। बालक की शिक्षा का प्रारम्भ प्राथमिक शिक्षा से ही होता है, नींव जितनी सुदृढ़ होगी, भवन उतना ही मज़बूत बनता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय में सत्र 2018-19 से बी.एल.एड. (बैचलर ऑफ एलिमेन्ट्री एजुकेशन) कोर्स संचालित किया जा रहा है। यह एक 4 वर्षीय इंटीग्रेटेड शिक्षक प्रशिक्षण (बैचलर डिग्री) कार्यक्रम है। एक ओर यह कोर्स डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) से मिलता-जुलता है तो दूसरी ओर बी.एड. के समकक्ष है, क्योंकि इसके उपरान्त प्राथमिक स्तर की टी.ई.टी. / सी.टी.ई.टी. परीक्षा दी जा सकती है तथा सीधे एम.एड. / एम.एल.एड. में भी प्रवेश लिया जा सकता है।

महाविद्यालय में बी.एल.एड. प्रशिक्षुओं को भाषा-प्रयोगशाला, आई.सी.टी. प्रयोगशाला एवं पी.पी.टी. के माध्यम से शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में पारंगत किया जाता है। शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यक्रम के स्तर, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रति स्पद्धत्मिक सुधार की दृष्टि से यह विभाग अपने प्रारम्भिक काल से निरंतर प्रयत्नशील है। यह प्रोग्राम एम.जे.पी. रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली से अनुमोदित है।

पाठ्य सहगामी कार्यक्रम

रेंजर्स

हमारे महाविद्यालय में वर्ष 2021 रेंजर्स टीम का गठन किया गया है। इनका उद्देश्य छात्राओं को अच्छी शिक्षा देना, अनुशासित व योग्य नागरिक बनाये जाने की अभिरूचियों तथा देश व समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए छात्राओं के समग्र व्यक्तित्व का विकास करना है। महाविद्यालय में अनेक कार्यक्रम और शिविर के माध्यम से उनहें एक टीम वर्क के द्वारा कार्य करने हेतु प्रेरित करने के साथ-साथ विपरीत परिस्थितियों में मानसिक संतुलन बनाये रखते हुए राष्ट्र व समाज को नई दिशा देने में सक्षम बनाना है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

महाविद्यालय की छात्राओं को समाज सेवा से जोड़ने के लिए तथा अपने सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाइयां महाविद्यालय में कार्यरत हैं, जिनमें सामान्य कार्यक्रम शिविर एवं विशेष शिविर आयोजित किये जाते हैं। विशेष शिविर के 10 अंक एवं सामान्य कार्यक्रम के 5 अंक अभ्यर्थी को प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर विविध गतिविधियां व कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जिससे छात्राओं के व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास हो सके। सरकार द्वारा निर्देशित विविध जागरूकता कार्यक्रमों मिशन शक्ति कार्यक्रम, स्वच्छता कार्यक्रमों, फिट इण्डिया कार्यक्रम आदि कार्यक्रमों के द्वारा छात्राओं को जागरूक किया जाता है जिससे वे अपने ज्ञान और अनुभव के माध्यम से समाज में बेहतर नागरिक बन सकें।

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधायें

साईकिल स्टैण्ड (पार्किंग)

साइकिल अथवा स्कुटी से आने वाली छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं अन्य कर्मचारी वर्ग के लिए साइकिल स्टैण्ड (पार्किंग) की व्यवस्था है। यह व्यवस्था नि:शुल्क है।

जलपान गृह

महाविद्यालय में छात्राओं, प्राध्यापकों एवं समस्त कर्मचारियों के लिए जलपान गृह की सुविधा प्रदान की गई है जिसमें पौष्टिक एवं स्वच्छ खाने की वस्तुएं उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

वाई-फाई

महाविद्यालय में छात्राओं, प्राध्यापकों एवं समस्त कर्मचारियों के लिए मुफ्त वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है।

दिव्याँग छात्राओं के लिए विशेष सुविधा

दिव्यांग छात्राओं के लिए विश्राम कक्ष एवं रैम्प की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही दिव्यांग छात्राओं के लिए फीस जमा करने के लिए विशेष काउण्टर की सुविधा है।

चिकित्सा सुविधा

महाविद्यालय की छात्राओं के लिए चिकित्सा सुविधा हेतु एक हेल्थ केयर युनिट है जिसमें समय-समय पर योग्य चिकित्सकों द्वारा छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है।

पुस्तकालय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रदत्त अनुदान, प्रबंध तंत्र एवं अभिभावकों के सहयोग से निर्मित पुस्तकालय भवन है जिसमें सभी विषयों (जैसे भूगोल, इतिहास, अंग्रेजी, हिन्दी, गृह विज्ञान, बी.एड, बी.एल.एड., राजनीति विज्ञान, इकोनोमिक्स, बी.कॉम, समाजशास्त्र, उर्दू, संगीत, ड्राइंग एण्ड पेंटिंग इत्यादि) पर पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकें छात्राओं एवं प्रवक्ताओं को कम्प्यूटर के माध्यम से निर्गत की जाती है। महाविद्यालय की लाइब्रेरी में हिन्दी व अंग्रेजी के समाचार पत्र एवं पत्रिकायें नियमित रूप से आती हैं। छात्राएं व प्रवक्ता पूरे दिन पुस्तकालय का लाभ उठा सकती हैं। पुस्तकालय में विभिन्न विषयों से सम्बंधित राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय जर्नलस है जो लाइब्रेरी प्रयोगकर्ताओं के ज्ञान में वृद्धि करते हैं। महाविद्यालय की लाइब्रेरी जिले के प्रमुख महाविद्यालयों में अपना अलग स्थान रखती है। भविष्य में इन्टरनेट के इस युग में छात्र-छात्राओं को ई-लाइब्रेरी की सुविधा दी जायेगी। पुस्तकालय में अत्याधुनिक ई-लाइब्रेरी का लाभ छात्राओं एवं प्रवक्ताओं को जल्द ही मिलना शुरू हो जायेगा। महाविद्यालय की ई-लाइब्रेरी पर कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। पुस्तकालय में मौजूद प्रत्येक किताब का डाटा ऑनलाइन किया जायेगा तथा भविष्य में छात्राऐं व प्रवक्तायें इन्टरनेट के माध्यम से किताबें ऑनलाइन पढ़ सकेंगी।

छात्राओं को समय-समय पर कैरियर काउंसिलिंग की महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की जाती हैं। पुस्तकालय में ओपन एक्सेस की सुविधा है। प्रतियोगिताओं से सम्बंधित पत्रिकाएँ भी उपलब्ध हैं। रोजगार समाचार पत्रों के माध्यम से छात्राओं को रोजगार सम्बंधित जानकारी प्रदान की जाती है। पुस्तकालय में चलाये जा रहे सभी विषयों पर पर्याप्त पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकों की कुल संख्या 18000 है।

महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली
Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly

सेवा में
समस्त प्राचार्य/ प्राचार्या,
सम्बद्ध महाविद्यालय,
महात्मा ज्योतिबा पहले रुहेलखंड विश्वविद्यालय,
बरेली

दिनांकः 31-07-2021

विषयः राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 (NEP-2020) के अनुरूप सत्र 2021-22 में स्नातक त्रिवर्षीय पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में सुझाव/दिशानिर्देश

महोदय/ महोदया,

आगामी सत्र 2021-22 में समस्त प्रवेश प्रक्रिया राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं उक्त के सन्दर्भ में शासन द्वारा निर्गत विभिन्न शासनादेशों के अनुरूप संपन्न कराई जानी है I शासन द्वारा निर्गत विभिन्न शासनादेशों के अनुरूप विश्वविद्यालय द्वारा विस्तृत सुझाव / दिशानिर्देश इस आशय से संग्लन किये जा रहे है, कि उक्त सुझाव/ दिशानिर्देशों के अनुरूप ही समस्त महविद्यलय त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश सुनिश्चित करेंगे I

(डा. राजीव कुमार)
कुलसचिव

प्रतिलिपि : –

1. समस्त संकायाध्यक्ष /विभागाध्यक्ष विश्वविद्यालय परिसर
2. समस्त प्राचार्य /प्राचार्या, सम्बद्ध महाविद्यालय
3. प्रभारी वेबसाइट को वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु
4. वैयक्तिक सचिव, कुलपति को माननीय कुलपति जी के सूचनार्थ

महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली
Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly

SUGGESTIVE GUIDE LINES FOR SEMESTER-BASED IMPLEMENTATION MODEL FOR UNIVERSITY AND AFFILIATED COLLEGES

M. J. P. Rohilkhand University will adopt the semester system in Undergraduate courses as per directives of Higher Education Department, Uttar Pradesh Government to accelerate the teaching-learning process and enable vertical and horizontal mobility in learning from academic session 2021-22. The choice based credit system as well as semester system will provide flexibility in designing curriculum and assigning credits based on the course content and hours of teaching. The common minimum syllabus has been approved by the government in many courses and remaining courses are also in the process of being updated, which shall be adopted by the University through the prescribed statutory process as per directives from UP Govt. The new system will have the following features: -

i. **Academic Year**: Two consecutive (one odd + one even) semesters constitute one academic year.
ii. **Credit System (CBCS):** The CBCS provides choice for students to select from the prescribed courses (core, elective or minor or skill-based courses). Under the CBCS, the requirement for awarding a degree or diploma or certificate is prescribed in terms of number of credits to be completed by the students.
iii. **Course:** Usually referred to, as 'papers' is a component of a programme. All courses need not to carry the same weightage. The courses should define learning objectives and learning outcomes. A course may be designed to comprise lectures/ tutorials/laboratory work/ field work/ outreach activities/ project work/ vocational training/viva/ seminars/termpapers/assignments/ presentations/ self-study etc. or a combination of few of these.
iv. **Credit Point:** It is the product of grade point and number of credits for a course.
v. **Credit:** A unit by which the course work is measured. It determines the number of hours of instructions required per week. One credit is equivalent to one hour of teaching (lecture or tutorial) or two hours of practical work/field work per week.
vi. **Cumulative Grade Point Average (CGPA):** It is a measure of overall cumulative

performance of a student over all semesters. The CGPA is the ratio of total credit points in all the semesters. It is expressed up to two decimal places.

vii. **Grade Point:** It is a numerical weight allotted to each letter grade on a 10-point scale.

viii. **Programme:** An educational programme leading to award of a Degree, diploma or certificate.

ix. **Semester Grade Point Average (SGPA):** It is a measure of performance of work done ina semester. It is ratio of total credit points secured by a student in various courses registered in a semester and the total course credits taken during that semester. It shall be expressed up to two decimal places.

x. **Semester:** Each semester will consist of 15-18 weeks of academic work equivalent to actual teaching days. The odd semester may be scheduled from July to December andeven semester from January to June.

xi. **Transcript or Grade Card or Certificate:** Based on the grades earned, a grade certificate shall be issued to all the registered students after every semester. The grade certificate will display the course details (code, title, number of credits, grade \secured) along with SGPA of that semester and CGPA earned till that semester.

xii. **Selection of courses and admission process**

- The college will register on the admission portal available on university website for

  confirmation of admission to any programme running in the University campus or affiliated college by depositing the requisite fee.
- Departments/ colleges will complete the admission process following pravesh niyamavali of university.
- The student have to select the faculty where admission is sought (Science/Arts/ Commerce/Management etc).
- University/ College will admit students as per availability of seats and as per eligibility.

- Student will select three major subjects out of which two major subjects will be compulsorily from the chosen faculty within the subjects available in the college and the third major subject can be from the chosen faculty or any other faculty. The college may lay down options for the third major subject if to be opted from any other faculty keeping in view subjects offered in the college and sanctioned seats.
- One minor elective paper may be chosen from own faculty or different faculty in the first four semesters (i.e. first two years of UG Program) from amongst the subjects available in the college. University/ College will allocate minor elective paper as per availability of subjects/ seats. This minor elective paper shall only be the paper of a subject and not the full subject. No pre-requisite is required for minor paper. The student has to take this paper in I or II semester in I Year and III or IV semester in II Year (i. e. one paper per year). In summary the student shall be required to study only two minor elective papers in first two years of undergraduate program.
- However out of third major and fourth minor one must be from different faculty.

- Each student will opt for a vocational course in the first four semesters as decided by the Principal of the college/Vice Chancellor. However, if there is a practical problem in choosing a vocational course due to non availability of such courses in the college/colleges, the students may be asked to select this course within the available on line courses at UGC, Swayam/ MOOCS portals etc after admission.
- In B.A. (Hons) / B.Sc. (Hons) as well as single subject UG programs the CBCS based new syllabus shall be implemented from session 2022-23.
- In PG the CBCS based new syllabus shall be implemented from session 2022-23.

xiii. Entry, exit and re-entry process in Undergraduate programme

- Student on completion of first year (2 semesters) of Undergraduate programme may exit from the programme with a certificate and after completion of two years (4 semesters) may exit with a Diploma.
- Student will be awarded Degree after completion of three years (6 semesters).
- Student will be allowed re-entry at the next level after exit.
- Student will be allowed conditional subject change in the second/ third year on thebasis of prescribed prerequisites and availability of seats.

xiv. COURSE CREDITS DISTRIBUTION SEMESTER-WISE

New proposed year wise structure of UG/PG Programs

		Subject-1	Subject-2	Subject-3	paper-4	Vocational	Co-curricular	Industrial Training/Survey/Project	Credits		(Minimum/Maximum total credits after completion) (Minimum credits)
		Major	Major	Major	Minor/elective	Minor	Minor	Major			
		4/5/6 credits	4/5/6 credits	4/5/6 credits	4/5/6 credits	3 credits	2 credits	3/6/8 credits			
Year	Sem	Own Faculty	Own Faculty	Own Faculty or Any Faculty	Own Faculty or other Faculty	Vocational Faculty	Co-curricular course	Inter/ Intra Faculty related to main subject	Total	Min./Max. of the Semester/Year	
I	I	Th.1(6) orTh.1(4) + Lab.1(2)	Th.1(6) orTh.1(4) + Lab.1(2)	Th.1(6) or Th.1(4)	1(4/5/6)	1	1		18+(0/4/5/6)	23-29	(50-52) (46) Certificate in faculty

				+ Lab.1 (2)					+3 +2		
	II	Th.1(6) orTh.1(4) + Lab.1(2)	Th.1 (6) orTh .1(4) + Lab. 1(2)	Th .1(6) or Th .1(4) + Lab.1 (2)		1	1		18 +(0/ 4/ 5/ 6) +3 +2	23-29 (50-52)	
2	III	Th.1(6) orTh.1(4) + Lab.1(2)	Th.1 (6) orTh .1(4) + Lab. 1(2)	Th .1(6) or Th .1(4) + Lab.1 (2)	1(4/ 5/ 6)	1	1		18 +(0/ 4/ 5/ 6) +3 +2	23-29	(100-104) (92) Diploma in Faculty
	IV	Th.1(6) orTh.1(4) + Lab.1(2)	Th.1 (6) orTh .1(4) + Lab. 1(2)	Th .1(6) or Th .1(4) + Lab.1 (2)		1	1		18 +(0/ 4/ 5/ 6) +3 +2	23-29 (50-52)	
3	V	Th.2(5) or Th.2(4) + lab1(2)	Th.2 (5) or Th.2 (4)+ lab1(2)				1	1 (3)	20 +3 +2	25	150-154 (138) Bachelor in Faculty
	VI	Th.2(5) or Th.2(4) + lab1(2)	Th.2 (5) or Th.2 (4)+ lab1(2)				1	1 (3)	20 +3 +2	25 (50)	
4	VII	Th.4(5) or Th.4 (4) + Lab 1(4)			1(4/ 5/ 6)			1(6)	20 +(0/ 4/ 5/ 6) + 6	26-32	206-212 (194) Bachelor (Research) in Faculty
	VIII	Th.4(5) or Th.4 (4) + Lab 1(4)						1(6)	20 +(0/ 4/ 5/ 6) + 6	26-32 (56-58)	
5	IX	Th.4(5) or Th.4 (4) + Lab 1(4)						1(6)	20 + 6	26	258-264 (246) Master in Faculty
	X	Th.4(5) or Th.4 (4) +						1(6)	20 + 6	26 (52)	

		Lab 1(4)									
6	XI	2(6)	1(4) Research Methodology					1(8)	16 + 8		270 PGDR in Research
6,7,8	XII-XVI							Ph D. Research			Ph D. in subject

For clearing doubts (if any) regarding NEP-2020 implementation please contact:

1. Prof. S K. Panday
2. Dr. Alok Srivastav

महात्मा ज्योतिबा फूले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली
Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University, Bareilly

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुक्रम में प्रवेश सम्बन्धी सुझाव /दिशा– निर्देश

National Education Policy 2020: Suggestive Guidelines for Admission

उत्तर प्रदेश के समस्थ राज्य/निजी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसा के अनुरूप तैयार न्यूनतम समान पाठ्यक्रम शैक्षिक सत्र 2021–22 से लागू किये जाने के संबंध में उच्च शिक्षा अनुभाग–3, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के पत्र संख्या 1065/सत्तर–3–2021–16(26)/2011 दिनांक 20 अप्रैल, 2021 एवं पत्र संख्या 1567/सत्तर–3–2021–16(26)/2011 टी0सी0 लखनऊ, दिनाकं 13 जुलाई, 2021, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के दिनांक 25.06.2021 को जारी परिषत्र तथा इस सम्बन्ध में समय- समय पर जारी अन्य शासकीय निर्देशों के आधार पर महात्मा ज्योतिबाफुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति जी द्वारा गठित समिति द्वारा शैक्षिक सत्र 2021–22 के लिए स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश–सम्बन्धी तथा अन्य सम्बंधित विषयगत बिन्दुओं के सन्दर्भ में प्रथम/मानक दिशा–निर्देश (गाइडलाइन) प्रस्तावित किये जा रहे हैं। सामयिक आवश्यकता तथा शासकीय निर्देशों के अनुसार भविष्य में इस गाइडलाइन का संशोधित प्रारूप भी जारी किया जा सकता है अथवा किसी मामले में अलग से अधिसूचना जारी की जा सकती है।

i. **शैक्षणिक सत्र:** एक शैक्षणिक सत्र का तात्पर्य उस सत्र के दो सेमेस्टर (अर्थात विषम एवं सम सेमेस्टर से है)

ii. **क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस):** सीबीसीएस छात्रों को निर्धारित पाठ्यक्रमों (मुख्य, वैकल्पिक या लघु या कौशल–आधारित पाठ्यक्रम) से चयन करने का विकल्प प्रदान करता है। सीबीसीएस के तहत, डिग्री या डिप्लोमा या प्रमाण पत्र देने की आवश्यकता छात्रों द्वारा पूरी की जाने वाली क्रेडिट की संख्या के संदर्भ में निर्धारित की जाती है।

iii. **पाठ्यक्रमः सामान्यतयः** इसे 'प्रश्नपत्र' के रूप में संदर्भित किया जाता है, यह एक पाठ्यक्रम का एक घटक है। सभी पाठ्यक्रमों को समान भार वहन करने की आवश्यकता नहीं है। पाठ्यक्रम में अधिगम के उद्देश्यों और अधिगम के परिणामों को परिभाषित करना चाहिए। एक पाठ्यक्रम को व्याख्यान/ट्यूटोरियल/प्रयोगशाला कार्य/क्षेत्र कार्य/आउटरीच गतिविधियों/परियोजना कार्य/व्यावसायिक प्रशिक्षण/मौखिक /सेमिनार/टर्म पेपर/असाइनमेंट/प्रस्तुति/स्व–अध्ययन आदि या इनमें से कुछ के संयोजन को शामिल करने के लिए डिजाइन किया जा सकता है।

iv. **क्रेडिट प्वाइंटः** यह एक कोर्स के लिए ग्रेड प्वाइंट और क्रेडिट की संख्या का गुणांक है।

v. **क्रेडिटः** एक इकाई जिसके द्वारा पाठ्यक्रम कार्य को मापा जाता है। यह प्रति सप्ताह आवश्यक शिक्षण के घंटों की संख्या निर्धारित करता है। एक क्रेडिट एक घंटे के शिक्षण (व्याख्यान या ट्यूटोरियल) या प्रति सप्ताह दो घंटे के प्रयोगशाला कार्यक्षेत्र कार्य के बराबर है।

vi. **क्युमुलेटिव ग्रेड प्वाइंट एवरेज (सीजीपीए):** यह सभी सेमेस्टर में एक छात्र के समग्र क्युमुलेटिव प्रदर्शन को दर्शाता है । सीजीपीए सभी सेमेस्टर में कुल क्रेडिट पॉइंट का अनुपात है। इसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया जाता है।

vii. **ग्रेड प्वाइंटः** यह 10 पॉइंट स्केल पर प्रत्येक लेटर ग्रेड को आवंटित एक न्यूमेरिकल वेट है।

viii. **पाठ्यक्रम :** एक शैक्षिक कार्यक्रम जो एक डिग्री, डिप्लोमा या प्रमाण पत्र प्रदान करता है।

ix. सेमेस्टर ग्रेड प्वाइंट एवरेज (एसजीपीए): यह एक सेमेस्टर में किए गए प्रदर्शन को दर्शाता है । यह एक सेमेस्टर में पंजीकृत विभिन्न पाठ्यक्रमों में एक छात्र द्वारा प्राप्त कुल क्रेडिट अंकों और उस सेमेस्टर के दौरान लिए गए कुल पाठ्यक्रम क्रेडिट का अनुपात है। इसे दो दशमलव स्थानों तक व्यक्त किया जाएगा।

x. **सेमेस्टरः** प्रत्येक सेमेस्टर में वास्तविक शिक्षण दिनों के बराबर 15–18 सप्ताह का शैक्षणिक कार्य शामिल होगा। विषम सेमेस्टर जुलाई से दिसंबर तक और सम सेमेस्टर जनवरी से जून तक निर्धारित किया जा सकता है।

xi. **ट्रांस्क्रिप्ट अथवा ग्रेड कार्ड या प्रमाण पत्रः** अर्जित ग्रेड के आधार पर, प्रत्येक सेमेस्टर के पश्चात सभी पंजीकृत छात्रों को एक ग्रेड प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। ग्रेड प्रमाणपत्र उस सेमेस्टर के एसजीपीए और उस सेमेस्टर तक अर्जित सीजीपीए के साथ पाठ्यक्रम विवरण (कोड, शीर्षक, क्रेडिट की संख्या, ग्रेड) प्रदर्शित करेगा।

1. **पाठयक्रम/कार्यक्रम लागू करने की समय–सारिणीः**

- यह व्यवस्था तीन विषय वाले बी0ए0, बी0एस0सी0 एवं बी0कॉम0 पर सत्र 2021–22 में प्रवेशित छात्रों पर लागू होगी। अन्य सभी पाठ्यक्रमों में शासन के निर्देशों के आने पर सत्र 2022–23 से लागू होगी।

2. प्रवेश की व्यवस्था:

- सत्र 2021–22 में विद्यार्थी को स्नातक में प्रवेश के समय सर्वप्रथम विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में एक संकाय (कला, विज्ञान, वाणिज्य आदि) का चुनाव करना होगा। विज्ञान संकाय का चयन करने पर अभ्यर्थी को पुनः पूर्व निर्देशित अर्हतानुसार अपने वर्ग (Bio/Maths/Stats etc.) का चुनाव करना होगा जिसका आवंटन मेरिट, सम्बंधित महाविद्यालय में उपलब्ध सीट संख्या एवं संसाधनों पर निर्भर होगा। यह संकाय विद्यार्थी का अपना संकाय (Own Faculty) कहलायेगा, जिसमें वह तीन वर्ष (प्रथम से छठे सेमेस्टर) तक अध्ययन कर सकेगा।
- पूर्व व्यवस्था की तरह विद्यार्थी को कुल तीन मुख्य विषयों का अध्ययन करना होगा, जिनमें से दो मुख्य विषय उसके चुने हुए संकाय के होंगे तथा तीसरा मुख्य विषय वह अपने संकाय अथवा दूसरे संकाय से ले सकता है, जिसका आवंटन मेरिट, सम्बंधित महाविद्यालय में उपलब्ध सीट संख्या एवं संसाधनों पर निर्भर होगा। इस व्यवस्था के लिये संकायों का निर्धारण शासनादेश जून 15, 2021 (http://uphed.gov.in/Council/NEETI2021.aspx) के अनुसार होगा।
- विद्यार्थी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में उपलब्ध सीटों/शिक्षकों/संस्थानों/नियमों के आलोक में द्वितीय/तृतीय वर्ष में मुख्य विषय बदल सकता है अथवा उनके क्रम में परिवर्तन कर सकता है।
- छात्र को विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों में विषयों की उपलब्धता के आधार पर नियमानुसार विषय परिवर्तन की सुविधा होगी, परन्तु वह एक वर्ष के बाद ही विषय परिवर्तित कर सकता है, एक सेमेस्टर के बाद नही।
- तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त विद्यार्थी को एक गौण (माइनर इलैक्टिव) पेपर का अध्ययन करना होगा। इस पेपर का चुनाव भी वह अपने संकाय अथवा दूसरे संकाय से कर सकता है। इसके लिये उसे किसी पूर्व पात्रता (pre-requisite) की आवश्यकता नहीं होगी। स्नातक के विद्यार्थी को प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में मात्र दो गौण प्रश्नपत्रों (माइनर इलैक्टिव पेपर) का अध्ययन करना होगा।
- बहु विषयकता (Multidisciplinarity) सुनिश्चित करने के लिये स्नातक स्तर पर माइनर इलैक्टिव पेपर सभी छात्रों को किसी भी चौथे विषय (उसके द्वारा लिये गये तीन मुख्य विषयों के अतिरिक्त) से लेना होगा।
- तीसरे मुख्य (मेजर) विषय तथा गौण चयनित पेपर (माइनर इलैक्टिव पेपर) का चयन छात्र को इस प्रकार करना होगा कि इनमें से कोई एक अनिवार्यतः अपने संकाय के अतिरिक्त अन्य संकाय (Other Faculty) से हो।
- कोई विद्यार्थी एक माइनर इलेक्टिव पेपर स्नातक प्रथम वर्ष के प्रथम अथवा द्वितीय सेमेस्टर में से तथा दूसरा माइनर इलेक्टिव पेपर द्वितीय वर्ष के तृतीय अथवा चतुर्थ सेमेस्टर में ले सकता है। अर्थात्

विद्यार्थी अपनी सुविधा से सम अथवा विषम सेमेस्टर में उपलब्ध माइनर इलेक्टिव पेपर का चुनाव कर सकता है ।

- विश्वविद्यालय/महाविद्यालय द्वारा उपलब्ध सीटों के आधार पर माइनर इलेक्टिव पेपर आवंटित किया जायेगा।
- प्रत्येक विद्यार्थी को प्रथम दो वर्षों (चार सेमेस्टर्स) के प्रत्येक सेमेस्टर में 3 क्रेडिट (3 ×4 = 12) क्रेडिट के कुल चार पाठ्यक्रम) का एक रोजगारपरक/कौशल विकास पाठ्यक्रम (Vocational/Skill development Courses) पूर्ण करना होगा।
- स्नातक स्तर के प्रत्यके विद्यार्थी को तीन वर्षों (छः सेमेस्टर्स) के प्रत्येक सेमेस्टर में एक सह–पाठ्यक्रम (Co-curricular) करना अनिवार्य होगा।
- **यदि महाविद्यालय में उक्त पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है तो UGC, स्वयं अथवा MOOCS इत्यादि के माध्यम से छात्रों को उक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम चयन करने की छूट महाविद्यालय प्रदान कर सकता है ।**
- इन सभी सह–पाठ्यक्रमों को 40 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यार्थी को उत्तीर्ण करना होगा। विद्यार्थी की ग्रेड शीट पर इनके प्राप्ताकों पर आधारित ग्रेड तो अंकित होंगे, परन्तु उन्हें सी.जी.पी.ए. (C.G.P.A.) की गणना में सम्मलित नहीं किया जायगो। इन पेपर्स की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा multiple choice questions पर आधारित होगी।

3. कक्षाओं हेतु समय–सारिणीः

- सभी महाविद्यालय/शिक्षण संस्थान प्रवेश प्रारंभ होने से पूर्व अपनी समय–सारिणी (Time Table) तैयार कर लें। जिससे छात्र प्रवेश के समय अन्य संकाय के उन विषयों का चुनाव कर सकें जिनकी कक्षाएं अलग समय पर संचालित होती हैं तथा उनकी कक्षाओं के समय में ओवरलैपिंग न हो। • सभी शिक्षण संस्थान समय सारिणी (Time Table) ऐसे तैयार करें कि छात्रों को अन्य संकाय के विषयों को चुनने के अधिकतम विकल्प उपलब्ध हों।
- तीसरे मुख्य विषय तथा चयनित गौड़ पेपर (Minor Elective Paper) की कक्षाओं के लिये कोई एक ही समय (Period) समय–सारिणी में निर्धारित किया जाये जिससे कि सभी विद्यार्थी सुविधापूर्वक अपने–अपने चयनित विषयों का अध्ययन कर सकें। इसी प्रकार इन विषयों की परीक्षाओं तथा आन्तरिक मूल्यांकन के लिये एक ही तिथि निर्धारित की जाये।

4. किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश, निकास एवं पुनः प्रवेश की प्रक्रियाः

- विद्यार्थी को एक वर्ष (दो सेमेस्टर) पूर्ण करने पर सर्टिफिकेट के साथ निकास तथा दो वर्ष (चार सेमेस्टर) पूर्ण करने पर डिप्लोमा के साथ निकास की सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यार्थी को निर्गत

सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा पर उसके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त रोजगार–परक (Vocational) प्रशिक्षण–पाठ्यक्रम का स्पष्ट उल्लेख किया जायेगा।

- विद्यार्थी को तीन वर्ष (छः सेमेस्टर) पूर्ण करने पर ही डिग्री प्राप्त होगी।
- विद्यार्थी, निकास के बाद अगले स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमानुसार पुनः प्रवेश ले सकेगा।

5. **क्रेडिट एवं क्रेडिट निर्धारण:**

- सैद्धांतिक (Theory) के एक क्रेडिट के पेपर में एक घंटा प्रति सप्ताह का शिक्षण कार्य होगा, अर्थात् एक सेमेस्टर के 15 सप्ताह में 13–15 घंटे का शिक्षण कराना होगा।
- प्रैक्टिकल/इंटर्नशिप/फील्ड वर्क आदि के एक क्रेडिट के पेपर में दो घंटे/प्रति सप्ताह का शिक्षण कार्य होगा, अर्थात एक सेमेस्टर के 15 सप्ताह में 26–30 घंटे का प्रैक्टिकल/इंटर्नशिप/फील्ड वर्क आदि कराना होगा। शिक्षक के कार्यभार की गणना में थ्योरी के एक घंटे का कार्यभार प्रैक्टिकल/इंटर्नशिप/फील्ड वर्क आदि के दो घंटे के कार्यभार के बराबर होगा।
- विद्यार्थी न्यूनतम 46 क्रेडिट अर्जित करने पर एक वर्षीय सर्टिफिकेट; न्यूनतम 92 क्रेडिट अर्जित करने पर दो वर्षीय डिप्लोमा तथा न्यूनतम 138 क्रेडिट अर्जित करने पर तीन वर्षीय स्नातक डिग्री ले सकता है। इससे आगे विद्यार्थी न्यूनतम 194 क्रेडिट अर्जित करने पर चार वर्षीय स्नातक (शोध सहित) डिग्री, न्यूनतम 246 क्रेडिट अर्जित करने पर स्नातकोत्तर डिग्री तथा न्यूनतम 270 अर्जित करने पर पी.जी.डी.आर. ले सकता है।
- एक बार क्रेडिट का उपयोग करने के पश्चात् विद्यार्थी उनके क्रेडिट का उपयोग नहीं कर सकेगा। उदाहरण के लिए यदि कोई छात्र एक वर्ष के बाद 46 क्रेडिट का प्रयोग कर सर्टिफिकेट प्राप्त कर लेता है, तो उसके क्रेडिट उपभोग कर लिये माने जाएंगे अर्थात उसके ये क्रेडिट डिप्लोमा अथवा डिग्री के लिये उपयोग नहीं किये जा सकेंगे। यदि वह कुछ वर्षो बाद डिप्लोमा लेना चाहता है तो वह या तो अपना मूल सर्टिफिकेट विश्विद्यालय में जमा (Surrender) कर 46 क्रेडिट खाते में रि–क्रेडिट करेगा अथवा नए 46 क्रेडिट पुनः जमा करेगा, जिसके आधार पर वह द्वितीय वर्ष (वास्तविक तृतीय वर्ष) में 92 (46+46) क्रेडिट अर्जित कर डिप्लोमा ले सकता है। इसी तरह की व्यवस्था आगामी वर्षो के लिए भी होगी। यदि विद्यार्थी लगातार अध्ययन करता है तथा सर्टिफिकेट/डिप्लोमा नहीं लेता है तो वह 138 क्रेडिट के आधार पर डिग्री ले सकता है।
- यदि कोई योग्य छात्र (Fast Learner) कम समय में डिग्री के लिए आवश्यक क्रेडिट प्राप्त कर लेगा तो न्यूनतम क्रेडिट प्राप्त करने पर उसे अंतराल की सुविधा होगी, परन्तु डिग्री तीन वर्ष बाद ही मिलेगी। अंतराल के दौरान या विषय परिवर्तन की स्थिति में वह किसी भी कार्य को करने के लिए स्वतंत्र होगा।

- द्वितीय वर्ष में संकाय अथवा विषय परिवर्तन की स्थिति में अर्जित क्रेडिट सर्टिफिकेट की श्रेणी में आएगे न कि डिप्लोमा की, क्योंकि डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए उसे उसी विषय के आवश्यक क्रेडिट प्राप्त करने होंगे।
- तीन वर्षो में विद्यार्थी जिस संकाय में न्यूनतम 60 प्रतिशत क्रेडिट प्राप्त करेगा उसी संकाय में उसे डिग्री दी जाएगी और विश्वविद्यालय में नियमानुसार स्नातकोत्तर में प्रवेश की सुविधा होगी।
- यदि विद्यार्थी तीन वर्ष में किसी एक संकाय में तीन मुख्य विषयों के कुल क्रेडिट का न्यूनतम 60 प्रतिशत, यथा–112 का 60 अर्थात 67 क्रेडिट प्राप्त नहीं कर पाता है तो उसे बैचलर आफ लिबरल एजुकेशन (B.L. Ed.) की डिग्री दी जाएगी तथा वह उन विषयों में स्नातकोत्तर कर सकेगा जिनमें स्नातक स्तर पर किसी विषय की पूर्व पात्रता (Pre-Requisite) की आवश्यकता नहीं होगी। सामान्यतः इस श्रेणी में कला संकाय के ऐसे विषय आयेगे जिनमें प्रयोगात्मक कार्य अनिवार्य नहीं है।
- यदि कोई योग्य छात्र सर्टिफिकेट/डिप्लोमा लेकर अपने क्रेडिट पुनः जमा (Recredit) कर लेता है और वह आगामी परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाता है तो वह रि–क्रेडिट किए गए क्रेडिट का उपभोग कर पुनः सर्टिफिकेट/डिप्लोमा प्राप्त कर सकता है।

6. उपस्थिति व क्रेडिट निर्धारणः

- क्रेडिट वैलिडेशन के लिए परीक्षा देना आवश्यक होगा। परीक्षा के बिना क्रेडिट अपूर्ण होंगे।
- परीक्षा देने के लिए पूर्व नियमानुसार 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।
- छात्र कक्षा में उपस्थिति के आधार पर परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करता है, परन्तु किसी कारण से परीक्षा नहीं दे पाता है तो, वह आगामी समय में अर्हित परीक्षा दे सकता है। उसे पुनः कक्षाओं में उपस्थिति की आवश्यकता नही होगी ।

7. राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सन्दर्भ में विद्यार्थी को प्राप्त होने वाली अन्य सुविधाएँ।

- विद्यार्थी यू0जी0सी0/ भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त पार्टल/संस्थानों से 20 प्रतिशत तक क्रेडिट ऑनलाइन कोर्स/पेपर के माध्यम से प्राप्त कर सकेंगे। विश्वविद्यालयीन व्यवस्था के दृष्टिगत ऑनलाइन पेपर चयनित करने की यह सुविधा माइनर/इलेक्टिव पेपर्स के लिये छूट पर ही लागू होगी। यूजीसी के नियमों के अनुसार ऑनलाइन कोर्स के क्रेडिट सभी महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालय परिसर को जोड़ने होगें।
- विद्यार्थी की आवश्यकता के अनुसार निकट के अन्य शिक्षण संस्थान से किसी विशेष विषय के अध्ययन की सुविधा विश्वविद्यालय द्वारा अनुमन्य की जा सकती है। इस सुविधा का लाभ विद्यार्थियों को प्रदान करने के लिए सम्बन्धित महाविद्यालय पारम्परिक रूप से अनुबन्ध हस्ताक्षरित करते हुए उसकी एक प्रति सूचनार्थ विश्वविद्यालय को भेजेंगे।

8. परीक्षा व्यवस्था:

- सभी विषयों के प्रश्न पत्र 100 अंकों के होगें, जिनको क्रेडिट एवं फार्मूला के अनुसार परसेन्टाइल एवं ग्रेड में सॉफ्टवेयर द्वारा परिवर्तित कर दिया जायेगा।
- सभी विषयों की परीक्षा 100 में से 25 अंकों के लिये सतत आन्तरिक मूल्यांकन एवं 75 अंकों के लिये बाह्य मूल्यांकन के आधार पर ही सम्पन्न की जायेगी।
- 25 अंकों के आन्तरिक मूल्यांकन पाठ्यक्रमों में वर्णित व्यवस्था के अनुसार होगा ।
- असाइनमेंट तथा क्लास टेस्ट की उत्तर पुस्तिकाओं को महाविद्यालय द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने के कम से कम दो माह आगे तक सुरक्षित रखा जायेगा।
- सभी विषयों की लिखित परीक्षा होगी एवं अनिवार्य को–करीकुलर विषय की परीक्षा बहुविकल्पीय आधार पर होगी।

9. उपरोक्त शासनादेश के निर्देशानुक्रम में उक्त संरचना मूल और अनुप्रयुक्त विज्ञान, कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी विज्ञान, वाणिज्य, भारतीय एवं विदेशी भाषाएँ तथा कृषि संकायों पर लागू होगी। तत्क्रम में निम्न बिन्दुओं पर भी प्रमुखता से ध्यान अपेक्षित है–

- स्नातक पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के लिए 46 संचित क्रेडिट के सापेक्ष तीन प्रमुख विषय, एक माइनर इलैक्टिव पेपर, दो सह–पाठ्यक्रम एव ' दो व्यावसायिक पाठ्यक्रम होंगे, जिसे उत्तीर्ण करने पर Certificate in Faculty प्रदान किया जा सकता है।
- द्वितीय वर्ष 92 क्रेडिट संचित के सापेक्ष द्वितीय वर्ष में तीन प्रमुख विषय, एक माइनर इलैक्टिव पेपर, दो सह–पाठ्यक्रम तथा दो व्यावसायिक पाठ्यक्रम होंगे, जिसे उत्तीर्ण करने पर Diploma in Faculty प्रदान किया जायेगा।
- तृतीय वर्ष तक 138 संचित क्रेडिट के सापेक्ष इस वर्ष में दो प्रमुख विषय, दो सह–पाठ्यक्रम तथा दो माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट होंगे, जिसे उत्तीर्ण करने पर Bachelor in Faculty की उपाधि प्रदान की जायेंगी।
- प्रवेश, निकास एवं पुनः प्रवेश व्यवस्था के सम्बन्ध में गाइडलाइन विश्वविद्यालय द्वारा ही जारी की जायेगी, महाविद्यालय अपने स्तर से इस सम्बन्ध में निर्णय नहीं लेंगे।
- स्नातक पाठ्यक्रमों के प्रथम दो वर्षों में कौशल–विकास से सम्बन्धित पाठ्यक्रम का अध्ययन अनिवार्य होगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के साथ एम.ओ.यू. हस्ताक्षर किया गया है, जिसके आलोक में विश्वविद्यालय/महाविद्यालयों को समन्वय स्थापित करना होगा। इस सम्बंध में विस्तृत दिशा निर्देश विश्वविद्यालय द्वारा समयानुसार जारी किये जायेंगे ।

10. अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रम (Co-Curricular):

- स्नातक कार्यक्रम के पहले तीन वर्षो में 06 सह–शैक्षणिक/ सहगामी पाठ्यक्रम पूर्ण किये जाने है, जो कि प्रत्येक 02 क्रेडिट के होंगे । यह पाठ्यक्रम सभी स्नातक के छात्रों के लिए उपलब्ध एवं अनिवार्य होंगे। इन सह–शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की परीक्षा ओ0एम0आर0 शीट द्वारा बहुविकल्पीय प्रश्नों के आधार पर होगी। **(यदि महाविद्यालय में उक्त पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है तो UGC, स्वयं अथवा MOOCS इत्यादि के माध्यम से छात्रों को उक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम चयन करने की छूट महाविद्यालय प्रदान कर सकता है)**

- स्नातक स्तर के अनिवार्य सहगामी पाठ्यक्रमों (Co-curricular) के अध्ययन–अध्यापन के लिए शैक्षिक संसाधनों की व्यवस्था महाविद्यालय द्वारा की जाएगी।

कमेटी एवं प्रकोष्ठ का विवरण

क्र.सं.	प्रकोष्ठ का नाम	समन्वयक व सदस्य
1	उद्योग अकादमिक एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ (Industry-Academia Integration and Skill Development)	**डा. ज़किया रफत (समन्वयक)** - कु. तसलीम फातिमा - श्रीमती शिखा मालवीय -श्रीमती अराधना - कु. वर्षा - डा. आबिदा खातून - डा. मृदुल रानी
2.	ऑनलाइन शिक्षा एवं (LMS) प्रकोष्ठ (Online Education and LMS Cell)	**श्रीमती शिखा मालवीय (समन्वयक)** - श्रीमती दीपा - श्रीमती शीबा परवीन - डॉ. विनीता पाण्डेय - कु. ज्योति कर्णवाल
3.	शिक्षक प्रशिक्षण प्रकोष्ठ (Teachers Re-Skilling Cell)	**डा. सुरेश सिंह (समन्वयक)** समस्त प्रवक्ता शिक्षा विभाग
4.	अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (Research Development Cell)	**डा. सविता मिश्र (समन्वयक)** - डा. ज़किया रफत - डा. नीरु - डा. आस्था
5.	एक्टिविटी क्लब (Activity Cell)	**डा. शताक्षी चौधरी (समन्वयक)** - डा. आस्था - डा. आबिदा खातून - श्रीमती अमृता अरोड़ा - श्रीमती मनीषा शर्मा - कु. ऋतु सैनी
6.	भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ Indian Language, Culture and Arts Club	**डा. शारदा द्विवेदी (समन्वयक)** - कु. तसलीम - डा. अर्पणा - डा. ऋचा शर्मा - श्रीमती शीबा परवीन - श्रीमती अराधना दीक्षित
7.	संस्थागत विकास योजना प्रकोष्ठ (Instutional Development Plan (IDP) Cell)	**डा. मंजु (समन्वयक)** - डा. आस्था - कु. वर्षा - कु. सीमाब
8.	अर्न्तराष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ (International Student's Cell)	**श्रीमती दीपा (समन्वयक)** - श्रीमती दयावदी देवी - कु. वर्षा
9	दिव्यांग सहायता एवं वंचित समूह सहायता योजना प्रचार प्रसार प्रकोष्ठ (Cell for differently abel students and SEDGs)	**डा. मंजु चौधरी (समन्वयक)** - कु. तसलीम फातिमा - डा. ओमलता सिंह - श्री विकास भारती - श्री तौफीक
10.	मेन्टरिंग एव मनोविज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ (Mentoring and Counselling Cell)	**डा. नीरु (समन्वयक)** - कु. वर्षा - श्रीमती अराधना दीक्षित - श्रीमती नजमुन्निशा - श्री प्रताप सिकदार - श्रीमती पूजा कुमार

समितियों का विवरण

1. पंजीकरण एवं प्रवेश समिति

पंजीकरण	- श्री तौफिक	- श्री विकास	
	- कु. सीमाब	- श्री श्यामल मण्डल	
बी०ए० प्रथम	डा. शताक्षी चौधरी (समन्वयक)		
	श्रीमती दयावती देवी (सह-समन्वयक)		
	- डॉ० शारदा द्विवेदी	- डॉ० तसलीम फातिमा	
	- श्रीमती अराधना दीक्षित	- डॉ० किश्वर ज़ैदी	
	- डॉ० आबिदा	- कु० वर्षा	- डॉ० आस्था
	- श्रीमती शिखा मालवीय	- श्रीमती मनीषा शर्मा	- कु० ऋतु सैनी
बी०ए० द्वितीय	श्रीमती शिखा मालवीय (समन्वयक)		
	- कु० वर्षा	- डॉ० आस्था प्रताप	
	- डॉ० विनीता पाण्डेय	- डॉ० मृदुल	
बी०ए० तृतीय	डॉ० नीरु (समन्वयक)		
	- श्रीमती दीपा	- डॉ० ऋचा शर्मा	- कु० ऋतु सैनी
बी०कॉम०	कु० ज्योति कर्णवाल		
बी०एससी०, एम०एससी०	डॉ० सुनीता आर्या (समन्वयक)		
एम०ए०, गृह विज्ञान	- श्रीमती पूजा कुमार		
बी०एड०, एम०एड०	डॉ० सुरेश सिंह (समन्वयक) एवं शिक्षक शिक्षा विभाग		
बी०एलएड०	डॉ० ओमलता सिंह एवं विभाग के सदस्य		
एम०ए० चित्रकला	- डॉ० ऋचा शर्मा	- डॉ० किश्वर ज़ैदी	
एम०ए० उर्दू	- कु० तसलीम फातिमा		
एम०ए० अंग्रेजी	- डॉ० विनीता पाण्डेय	- डॉ० आस्था	- श्रीमती शीबा परवीन
एम०ए० हिन्दी	डॉ० सविता मिश्र (समन्वयक)		
	डॉ० शारदा द्विवेदी	- कु० वर्षा	
एम०ए० समाजशास्त्र	डॉ० मंजु चौधरी		

एम०ए० राजनीतिशास्त्र	- डॉ० मृदुल रानी	- डॉ० आबिदा खातून	

2. आई०क्यू०ए०सी०

डॉ० मंजु अरोड़ा (समन्वयक)
डॉ० आस्था (सह-समन्वयक)

- डॉ० ज़किया रफत	- डॉ० सविता मिश्र	- डॉ० मंजु चौधरी
- डॉ० शिखा मालवीय	- डॉ० शताक्षी चौधरी	- श्रीमती दीपा
- श्रीमती दयावती देवी	- श्रीमती पूजा कुमार	
- डॉ० सुरेश सिंह	- श्री प्रताप सिकादर	

प्रशासनिक स्टाफ, सामुदायिक प्रतिनिधि, प्रबन्धक प्रतिनिधि
श्रीमती नजमुन्निशा व डॉ० सुनीता आर्या- भूतपूर्व छात्रा व छात्रा प्रतिनिधि

3. इग्नू

डॉ० पारुल त्यागी, Head of the Host Institution (HOHI)
डॉ० शताक्षी चौधरी (समन्वयक)

4. नई शिक्षा नीति क्रियान्वयन समिति

डॉ० ज़किया रफत (समन्वयक)
डॉ० शताक्षी चौधरी (सह-समन्वयक)

- डॉ० सविता मिश्र	- डॉ० मंजु चौधरी	- डॉ० मंजु अरोड़ा
- डॉ० नीरु	- श्रीमती शिखा मालवीय	- श्रीमती दीपा
- कु० वर्षा	- श्रीमती अराधना	
- श्रीमती दयावती देवी	- डॉ० ओमलता सिंह	

5. शिक्षक अभिभावक समिति — डा० सुरेश सिंह (समन्वयक) एवं शिक्षा विभाग

6. पुरातन छात्र समिति

डा० सुरेश सिंह (समन्वयक)

- श्रीमती नजमुन्निसां	- श्रीमती शीरीन	- श्रीमती लक्ष्मी देवी
- कु० सरफराज	- श्रीमती इन्दु	- कु० रेनू

7. प्लेसमेंट विभाग — डा० सुरेश सिंह (समन्वयक) एवं शिक्षा विभाग

8. शिकायत निवारण समिति
महिला उत्पीड़न समिति
एंटी रैगिंग समिति

श्रीमती दयावती देवी (समन्वयक)

- डॉ० आबिदा खातून	- डॉ० मृदुल रानी	- कु० वर्षा
- श्रीमती अराधना	- डॉ० किश्वर ज़ैदी	- डा० सीमा चौधरी

9. प्रॉक्टारियल बोर्ड

डॉ० मंजु अरोड़ा (चीफ प्रॉक्टर)
- श्रीमती सारिका सिंह (असि. चीफ प्रॉ०)

- डॉ० आस्था प्रताप	- कु० वर्षा	- डॉ० सीमा चौधरी
- श्रीमती दयावती देवी	- श्रीमती शिखा मालवीय	- डॉ० ऋचा शर्मा
- श्रीमती अराधना दीक्षित	- श्री प्रताप सिकदार	- श्री रजनीश

	- कु० ऋतु सैनी	- श्री महेश कुमार	- श्री मुकुल पंवार
	- कु० सरफराज	- श्रीमती शीरीन फातिमा	
	- श्रीमती ज्योति कर्णवाल	- श्री कपिलकान्त गुप्ता	
10. खेल समिति	डा० मंजु (समन्वयक)		
	- डॉ० सीमा चौधरी	- श्रीमती सारिका सिंह	
	- श्रीमती दयावती देवी	- श्रीमती पूजा कुमार	
11. छात्रवृति एवं अनुसूचित/	डॉ० सविता मिश्र (समन्वयक)		
अनुसूचित जनजाति, पिछड़ी व	डॉ० मंजु चौधरी (सह-समन्वयक)		
अल्पसंख्यक समिति	- डॉ० आबिदा खातून	- कु० ऋतु सैनी	- श्री रजनीश कुमार
	- श्रीमती लक्ष्मी देवी	- श्री विकास भारती	
12. राष्ट्रीय सेवा योजना	डॉ० नीरु (समन्वयक) प्रथम इकाई		
	- श्री कमल		
	डॉ० शारदा द्विवेदी (समन्वयक) द्वितीय इकाई		
	- श्री टीकम		
13. वेबसाईट, नेटवर्किंग व सॉफ्टवेयर	- कु० सीमाब	- कु. ऋतु सैनी	
सोशल साईटस डेवलपमेंट समिति एवं मीडिया समिति			
14. छात्र कल्याण परिषद् व	कु० तसलीम फातिमा (समन्वयक)		
निर्धन छात्र कल्याण समिति	- डॉ० मृदुल रानी	- डॉ० आबिदा खातून	- श्रीमती अराधना
15. वित्त समिति	डॉ० सविता मिश्र (समन्वयक)		
	- डॉ० मंजु अरोड़ा	- श्री प्रवीण गुप्ता, वित्तीय नियंत्रक	
	- श्री कपिल कान्त गुप्ता		
16. ऐशे, एच०आर०डी० मंत्रालय	डा० मंजु (नोडल अधिकारी)		
यू०जी०सी०, एन०सी०टी०ई०	- श्रीमती दीपा	- श्रीमती शीबा परवीन	- श्री प्रताप सिकदर
	- श्रीमती शीरीन फातिमा	- कु० सीमाब	
	- श्रीमती ज्योति कर्णवाल		
17. परीक्षा संचालन समिति	डॉ० ज़किया रफत (समन्वयक)		
	- डॉ० सविता मिश्र	- डॉ० मंजु चौधरी	- डॉ० मंजु अरोड़ा
	- डॉ० सुरेश सिंह	- श्रीमती सारिका सिंह	- डॉ० मृदुल रानी
	- डॉ० आबिदा खातून	- डॉ० शताक्षी चौधरी	- डॉ० नीरु
	- डॉ० शारदा द्विवेदी	- श्री कपिलकान्त गुप्ता	

18. चिकित्सा समिति व कोविड-19 हेल्प डेस्क	श्रीमती शिखा मालवीय (समन्वयक)		
	- श्रीमती अराधना दीक्षित	- कु० वर्षा	
	- डॉ० सुनीता आर्या	- श्रीमती पूजा कुमार	
	- डॉ० ओमलता सिंह	- डॉ मृदुल रानी	
	- डॉ० सीमा चौधरी	- श्री कपिल कान्त गुप्ता	
19. समय-सारिणी समिति	डॉ० नीरु (समन्वयक)		
	श्रीमती पूजा कुमार (सह-समन्वयक)		
	- डा० शताक्षी चौधरी		
20. प्रोस्पैक्टस समिति	डा० शताक्षी चौधरी (समन्वयक)		
	- श्रीमती सारिका सिंह	- श्रीमती नजमुन्निसा	
	- श्रीमती शीरीन फातिमा	- कु० सीमाब	
21. रावर्स रेन्जर्स	कु० दयावती देवी		
22. महाविद्यालय पत्रिका समिति	डॉ० सविता मिश्र, प्रधान सम्पादिका		
	- डॉ० शारदा द्विवेदी (सम्पादिका, हिन्दी विभाग)		
	- डॉ० आस्था प्रताप (सम्पादिका, अंग्रेजी विभाग)		
	- श्रीमती अराधना (सम्पादिका, संस्कृत विभाग)		
	- कु. सीमाब		
23. महाविद्यालय व्यवस्था समिति व राइट ऑफ समिति	डॉ० ज़किया रफत (समन्वयक)		
	डॉ० सविता मिश्र		
	- डॉ सुरेश सिंह	- श्री प्रताप सिकादर	
	- श्री कपिलकान्त गुप्ता		
24. महाविद्यालय सर्वोत्तम अभ्यास समिति	डॉ० सविता मिश्र (समन्वयक)		
	- डॉ० ज़किया रफत	- डॉ० मंजु चौधरी	- डॉ मंजु
	- डॉ० नीरु	- डॉ शताक्षी चौधरी	
	- डॉ० शारदा द्विवेदी	- डॉ आस्था प्रताप	- श्रीमती दीपा
	- श्रीमती शीबा परवीन	- श्रीमती शिखा मालवीय	
	- कु० तसलीम फातिमा	- श्रीमती दयावती देवी	
	- श्रीमती अराधना दीक्षित	- कु० वर्षा	- डॉ ओमलता सिंह
	- श्री संदीप कुमार	- श्री मुकुल पंवार	- कु. सरफराज
	- डॉ० सुष्मिता शर्मा	- श्रीमती ज्योति कर्णवाल	

नोट: समस्त समितियों की अध्यक्ष प्राचार्या रहेंगी।

प्राचार्या

महाविद्यालय का शिक्षक वर्ग

प्राचार्या : (डॉ0) पारुल त्यागी

हिन्दी विभाग

1. डॉ.सविता मिश्र — एसो. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., पीएच.डी., डी.लिट्.
2. डॉ. शारदा द्विवेदी — असि. प्रो.
   एम.ए., नेट, जे.आर.एफ, पीएच.डी.
3. कु. वर्षा
   एम.ए., नेट

अंग्रेजी विभाग

1. श्रीमती दीपा — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी,
   एम.ए., एम.फिल., नेट
2. डॉ. आस्था प्रताप — असि. प्रो.
   एम.ए., एम.फिल. नेट
3. श्रीमती शीबा परवीन — असि. प्रो.
   एम.ए., नेट (जे.आर.एफ.)
4. डॉ. विनीता पांडे — असि. प्रो.
   एम.ए., पीएच.डी. (अनुमोदित)

संस्कृत विभाग

1. श्रीमती आराधना दीक्षित — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., नेट, जे.आर.एफ.

उर्दू विभाग

1. डॉ. तसलीम फातिमा — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., नेट, पीएच.डी.

अर्थशास्त्र विभाग

1. श्रीमती मंजु कोहली — विभाग प्रभारी
   एम.ए. (अंशकालिक)

इतिहास विभाग

1. डॉ. अर्पणा चौहान — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., पी.एचडी. (अनुमोदित)

भूगोल विभाग

1. कु. ऋतु सैनी — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., नेट (अनुमोदित)

शिक्षाशास्त्र विभाग

1. रिक्त

राजनीति शास्त्र विभाग

1. श्रीमती दयावती देवी — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., नेट
2. रिक्त
3. डॉ. आबिदा खातून — असि. प्रो.
   एम.ए., पीएच.डी. (अनुमोदित)
4. डॉ. मृदुल रानी — असि. प्रो.
   एम.ए. (अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र), पीएच.डी. (अनुमोदित)

समाजशास्त्र विभाग

1. डॉ. ज़किया रफ़त — एसो. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., पीएच.डी.
2. डॉ. मंजू चौधरी — एसो. प्रो.
   एम.ए., पीएच.डी.
3. रिक्त
4. रिक्त

गृहविज्ञान विभाग

1. शिखा मालवीय — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   बी.ए., एम.ए., बी.एस.सी., एम.एस.सी., नेट (जे.आर.एफ.)
2. रिक्त
3. डॉ. सुनीता आर्य — असि. प्रो.
   एम.ए., पीएच.डी. (अनुमोदित)
4. श्रीमती पूजा कुमार — असि. प्रो.
   एम.ए., नेट (अनुमोदित)
5. श्रीमती स्वाति — अंशकालिक
6. कु० रेनू राजपूत — अंशकालिक

चित्रकला विभाग

1. डॉ. नीरू — असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी
   एम.ए., नेट, पीएच.डी.
2. डॉ. शताक्षी चौधरी — असि. प्रो.
   एम.ए., नेट, पी.एच.डी.
3. डॉ. किश्वर ज़ैदी — असि. प्रो.
   एम.ए., पीएच.डी. (अनुमोदित)
4. डॉ. ऋचा शर्मा — असि. प्रो.
   एम.ए., पीएच.डी. (अनुमोदित)

संगीत विभाग

1. **श्रीमती अमृता अरोड़ा** — **असि. प्रो. (अंशकालिक)**
2. **श्रीमती मनीषा शर्मा** — **तबला संगतकार**

वाणिज्य वर्ग (B.Com)

1. **श्रीमती ज्योति कर्णवाल** **असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी,**
   एम.कॉम, नेट (अनुमोदित)
2. **श्रीमती चारू सारस्वत**
   एम.ए. (अंशकालिक)
3. **कु. अल्पना** — **असि. प्रो.**
   एम.ए. (अंशकालिक)

अध्यापक शिक्षा विभाग

1. **डॉ. सुरेश सिंह** — **एसो. प्रो. एवं विभाग प्रभारी**
   एम.ए., एम.एड., पीएच.डी. (अनुमोदित)
2. **श्रीमती सारिका सिंह** — **असि. प्रो.**
   एम.एस.सी., एम.एड., एम.फिल (अनुमोदित)
3. **श्रीमती शीरीन फातिमा** **असि. प्रो.**
   एम.ए., एम.एड. (अनुमोदित)
4. **डॉ. अंशु राय** — **असि. प्रो.**
   एम.ए., एम.एड., पीएच.डी., (अनुमोदित)
5. **श्रीमती रजनी बंसल** — **असि. प्रो.**
   एम.ए., एम.एड., नेट (अनुमोदित)
6. **डॉ. सीमा चौधरी** — **असि. प्रो.**
   एम.पी.एड., पीएच.डी. (अनुमोदित)
7. **डॉ. लक्ष्मी देवी** — **असि. प्रो.**
   एम.ए., एम.एड., पी.एचडी., नेट (अनुमोदित)
8. **श्री विकास यादव** — **असि. प्रो.**
   एम.एस.सी., एम.एड., नेट (अनुमोदित)
9. **श्री मनोज कुमार** — **असि. प्रो.**
   एम.एस.सी., एम.एड., नेट (अनुमोदित)
10. **श्री सुन्दर सिंह** — **असि. प्रो.**
    एम.ए., एम.एड., नेट (अनुमोदित)
11. **डॉ. महेश कुमार** — **असि. प्रो.**
    एम.ए., एम.एड., नेट, पीएच.डी. (अनुमोदित)
12. **कु. सामिया सालिम**
    एम.एड., नेट (जे.आर.एफ.) अंशकालिक
13. **डॉ. मुनेन्द्र** — **एसो. प्रोफेसर**
    एम.एड., पीएच.डी (अनुमोदित)
14. **डॉ. कविता चौधरी** — **एसो. प्रो.**
    एम.ए., एम.एड., नेट, पीएच.डी. (अनुमोदित)
15. **श्रीमती नजमुन्निसा** — **असि. प्रो.**
    एम.ए., एम.एड., नेट (अनुमोदित)
16. **श्री प्रताप सिकदार** — **असि. प्रो.**
    एम.कॉम, एम.एड., नेट (अनुमोदित)
17. **श्री अजय शर्मा** — **असि. प्रो.**
    एम.ए., एम.एड. (अनुमोदित)
18. **श्री रजनीश कुमार** — **असि. प्रो.**
    एम.ए., एम.एड., नेट (अनुमोदित)
19. **डॉ. ओमलता सिंह** — **असि. प्रो. एवं विभाग प्रभारी**
    एम.ए., एम.एड., बी.एल.एड. पीएच.डी. (अनुमोदित)
20. **श्री मुकुल पंवार** — **असि. प्रो.**
    एम.ए., एम.एड. नेट (अनुमोदित)
21. **श्रीमती रेनू सिंह**
    एम.एड., नेट (अंशकालिक)

शिक्षणेत्तर कर्मचारी वर्ग

1. श्री रूपचन्द्र-कार्यालय अधीक्षक (**स्ववित्तपोषित**)
2. श्रीमती कपिल कान्त गुप्ता-पुस्तकालय लिपिक
3. श्रीमती मनीषा शर्मा-तबला संगतकार
4. श्री सर्वेश पाराशर-लिपिक (**स्ववित्तपोषित**)
5. श्री विकास भारती-कम्प्यूटर ऑपरेटर (**स्ववित्तपोषित**)
6. श्री तौफीक अहमद-कम्प्यूटर ऑपरेटर (**स्ववित्तपोषित**)
7. कु. सीमाब-कम्प्यूटर ऑपरेटर (**स्ववित्तपोषित**)
8. श्री जैद-लिपिक (**स्ववित्तपोषित**)
9. श्रीमती इंदु शर्मा-प्रयोगशाला सहायक (**स्ववित्तपोषित**)
10. कु. सरफराज-लाइब्रेरियन (**स्ववित्तपोषित**)
11. श्री धीरज कुमार-बुक लिफ्टर

1. श्रीमती आशु-चपरासी (**स्ववित्तपोषित**)
2. श्री कमलदीप-चपरासी (**स्ववित्तपोषित**)
3. श्रीमती रिशम देवी-सफाईदारिनी
4. श्री इनाम साबिर-चपरासी
5. श्री माधव कुमार-चपरासी (**स्ववित्तपोषित**)
6. श्री प्रीतम सिंह-चपरासी (**स्ववित्तपोषित**)
7. श्री चमन-सफाईदार (**स्ववित्तपोषित**)
8. श्री ज्ञानचन्द-माली (**स्ववित्तपोषित**)
9. श्री कौशल-चपरासी (**स्ववित्तपोषित**)
10. श्री भूरे-सफाईदार (**स्ववित्तपोषित**)
11. श्री टीकम सिंह-चपरासी (**स्ववित्तपोषित**)

महत्वपूर्ण सम्पर्क सूत्र

College	- Rani Bhagyawati Devi Mahila Mahavidyalaya, Bijnor, U.P.
Website	- www.rbdgirls.in
Telephone No.	- 01342-262116, 264077
Facebook ID	- www.facebook.com/rbdcollege.bijnor
Youtube Chanel	- RBD Girls College Bijnor
University	- M.J.P. Rohilkhand University, Pilibhit Bye Pass Road Bareilly-243006 (U.P.)
Website	- www.mjpru.ac.in,
E-mail:	- info@mjpru.ac.in, vcoffice@mjpru.ac.in, registrar@mjpru.ac.in
Helpline Tel. Phones	- (0581) 2520801 & 2524232, 2520487
University Authorities	- **Chancellor (Governor)** Hon'ble Smt. Anandiben Patel (0522)- 2237000
	Vice Chancellor- Prof. Krishna Pal Singh, (0581)- 2527282
	Registrar- Dr. Rajeev Kumar (0581)- 2520487
	Finance Officer- Sh. Kamlesh Shankwar (0581)- 2527273, 2528108
	Exam Controller- Sh. Ashok Kumar Arvind (0581)- 2527263
	Asstt. Registrar- Sh. Anand Kumar Maurya (0581)- 2520487
	Asstt. Registrar- Smt. Sunita Yadav (Examination((0581)- 2522203
	Website and Online
	Exam Incharge- Sh. Ravindra Kumar Gautam (0581) 2522203
	Dean Students- Welfare Prof. P.B. Singh
	Sports Secretary- Dr. Alok Srivastava
U.G.C.	- University Grants Commission, Bahadur Shah Zafar Marg New Delhi-110002
Website	- www.ugc.ac.in, E-mail: webmaster.ugc.help@gmail.com
Phone	- 011 - 23604446, 23604200
National Anti Ragging	- Helpline Toll Free No. (24x7) : 1800-180-5522
E-Mail:	- helpline@antiragging.in
Emergency Nos.	- Police : 112, Fire Station : 101, Ambulance : 108
	- Women Helpline : 1090, Child Helpline : 1098
	- Disaster Management : 1078, 1070, 9711077372

कुलगीत

सुरभित सुन्दर मधुर मनोहर, महिला महाविद्यालय अपना।
शोभा यह बिजनौर नगर की, जो गंगातट बसा हुआ है
कृष्ण चरण की रज से पावन, विदुर प्रेम रस रसा हुआ है
दिव्य साधनाएं सम्पादित, अनगिन ऋषि मुनियों की जिस पर
उसी भूमि का मान बढ़ाता, महिला महाविद्यालय अपना।
वीरकुल की माँ श्री की, अभिलाषा का साकार रूप यह
नारी जागृति को संकल्पित, त्याग प्रेम समता स्वरूप यह
गति प्रगति-सोपान समर्पण, संस्कृति की जाज्वल मशाल बन
संयम मानवता सिखलाता, महिला महाविद्यालय अपना।
ज्ञानसूर्य यह, शक्ति पुंज यह, नवशास्त्रों का है संवाहक
गूँज रहे कण-कण में जिसके, मन्त्र चेतना के उद्धारक
अनुशासन उत्कर्ष प्रभामय, आशा नव उल्लास प्रेरणा
चरैवेति का पाठ पढ़ाता, महिला महाविद्यालय अपना।
कला शास्त्र साहित्य और, संगीत सहित नूतन विद्यायें
पूर्ण स्वावलम्बन की गायी, जाती मधुर प्रशस्त ऋचाएं
कंटककीर्ण कठिन जीवन में, अमृतस्रोत बन विश्व सरित में
स्वर्णकमल शत शत विकसाता, महिला महाविद्यालय अपना।
शतशत तेरा अभिनन्दन है, कोटि-कोटि तेरा वन्दन है
अमर रहे तू, अमर रहे तू, हृदय वाटिका में गुंजन है
देशभक्ति के दीप जलाता, महिला महाविद्यालय अपना।

शिक्षण प्रशिक्षण सशक्तिकरण

9760063882

मूल्य: 250/-